दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

वर्केशन पर जा रहे हैं? काम और मस्ती ...8

बलरामपुर
मंगलवार, 09 जून 2026
वर्ष: 05 अंक : 248 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

दुबई में मिनीबस और ट्रक की टक्कर, 7 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली। दुबई में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में कई भारतीय मजदूरों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब मजदूरों को ले जा रही एक मिनीबस सड़क के बीचों–बीच खराब होकर खड़े एक ट्रक से पीछे से जा टकराई।

दुबई पुलिस के जनरल डिपार्टमेंट ऑफ ट्रैफिक के निदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि तकनीकी खराबी के कारण ट्रक एमिरेट्स रोड पर अचानक बीच सड़क में रुक गया था। इसी दौरान बस चालक कथित तौर पर सुरक्षित दूरी बनाए रखने और ध्यान देने में विफल रहा, जिससे मिनीबस ट्रक से जा भिड़ी।

इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत गंभीर और चार की हालत मध्यम बताई जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हादसे पर गहरा दुख जताया है।

दूतावास से भी भारतीयों से मुलाकात: वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटा है। भारतीय अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल भारतीयों से भी मुलाकात की।

राम मंदिर ट्रस्ट का अखिलेश यादव को जवाब, कहा-

दान का हिसाब–किताब पूरी तरह पारदर्शी

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए उन आरोपों का खंडन किया है जिनमें मंदिर के दान में करोड़ों रुपये गायब होने की बात कही गई थी।

ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेन्द्र दास महाराज ने कहा कि सभी लेन–देन विधिवत दर्ज किए जाते हैं और पूरी पारदर्शिता के साथ संसाधित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और लिखित रूप में दर्ज किए जाते हैं। सभी लेन–देन का हिसाब–किताब सावधानीपूर्वक रखा जाता है, और सब कुछ सही और पारदर्शी तरीके से चल रहा है। दिनेन्द्र दास महाराज ने कहा कि आपसी सद्भाव और प्रेम है। राम जी सब कुछ देख रहे हैं। लोग चाहे जो कहें, लेकिन राम लल्ला से संबंधित कार्य पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने आगे कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रस्ट कभी ऐसी गलती नहीं करेगा। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि ट्रस्ट नियमित रूप से आंतरिक लेखापरीक्षा कराता है और अब तक कोई उल्लेखनीय अनियमितता नहीं पाई गई है। राय ने एक बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट समय–समय पर आंतरिक लेखापरीक्षा कराता है, जो ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा की जाती है। लेखापरीक्षा प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। वर्तमान में भी यही प्रक्रिया जारी है। अब तक कोई उल्लेखनीय बात सामने नहीं आई है। अपने पोस्ट में यादव ने केंद्र सरकार की संदिग्ध चुप्पी पर भी प्रकाश डाला और सर्वोच्च न्यायालय से इस मामले का स्वतः संज्ञान लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है, क्योंकि यह मामला वैश्विक स्तर पर संपूर्ण सनातन समुदाय की भगवान राम में गहरी आस्था से सीधा जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।

शरद पवार का संदेश: इंडिया ब्लॉक की एकजुटता ही मोदी के सामने जीत का मंत्र

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता शरद पवार ने 8 जून को आयोजित इंडिया ब्लॉक की बैठक के दौरान विपक्षी दलों के बीच एकता के महत्व पर जोर दिया। महाराष्ट्र के बारामती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए पवार ने कहा कि नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व के जवाब में विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि देश की राष्ट्रीय पार्टियां एकजुट होने लगी हैं। भाजपा और उसका प्रशासन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में है। दूसरी ओर, जो लोग इस नेतृत्व को स्वीकार नहीं करते, वे भी एकजुट हो गए हैं। हम प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित करेंगे और आगे का रास्ता निकालेंगे।

जीडीए कर्मचारी बनकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, आवास दिलाने के नाम पर हड़पे थे रुपये

गोरखपुर। गोरखनाथ पुलिस ने खुद को गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) का कर्मचारी बताकर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आवास दिलाने का झांसा देकर रुपये हड़पने और फर्जी आवंटन पत्र (एलॉटमेंट पेपर) देने का आरोप है।पुलिस के अनुसार, वादी की तहरीर के आधार पर थाना गोरखनाथ में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी विजय प्रताप पुत्र स्व. संतराज निवासी भरपुरवा भीटीरावत, थाना सहजनवा, जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है।जांच में सामने आया कि आरोपी स्वयं को जीडीए का कर्मचारी बताकर लोगों को आवास दिलाने का झांसा देता था और उनसे धनराशि वसूलकर फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराता था।

जंग में बेकाबू हुआ ईरान, इजरायल पर कर दिया भयंकर हमला

बेरुत और लेबनान पर हुए हमलों के जवाब में ईरान द्वारा इजरायल पर किए गए अब तक के सबसे बड़े मिसाइल हमलों में से एक के बाद सोमवार को मध्य पूर्व में स्थिति एक बार फिर तनावपूर्ण हो गई। इन हमलों से मध्य पूर्व में 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष को समाप्त करने के मध्यस्थता प्रयासों में और अधिक जटिलता आने की आशंका है। इस संघर्ष में ईरान के अधिकांश शीर्ष नेता, जिनमें सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई भी शामिल हैं, मारे गए थे। इजरायली सेना के अनुसार, कम से कम तीन हमलों में दागी गई मिसाइलों को इजरायली सेना ने रोक दिया। तेल

अवीव ने कहा है कि तेहरान ने गंभीर गलती की है और हमलों का कठोर जवाब देने की कसम खाई है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से जवाबी कार्रवाई न करने का अनुरोध किया है। उन्होंने एक्सियोस को दिए एक टेलीफोन साक्षात्कार में कहा मैं अभी बीबी को फोन करके उनसे जवाबी कार्रवाई न करने के लिए कहूंगा। इजरायल ने अपना हमला कर दिया है और ईरान ने अपना हमला कर दिया है। हमें एक और हमले की जरूरत नहीं है। ईरान द्वारा किए गए ये हमले इजरायल द्वारा बेरूत पर किए गए हमलों के जवाब में थे, जिनमें दो लोग मारे गए और 20 घायल हुए। इजरायल की ओर से संभावित जवाबी कार्रवाई के डर से ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने एक बयान में कहा, ष्यदि इस प्रकार की आक्रामकता दोहराई जाती है, तो जवाबी कार्रवाई व्यापक होगी और इसमें पूरे क्षेत्र में सभी अमेरिकी और जायोनी लक्ष्य शामिल होंगे। इजराइल से जुड़े जहाजों पर व्यापक प्रतिबंध लगाकर हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में तनाव बढ़ा दिया है। दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक पर सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाते हुए, यमन के ईरान समर्थित हौथी आंदोलन ने सोमवार को घोषणा की कि उसने इजराइल की ओर एक मिसाइल दागी है और लाल सागर में इजराइल से जुड़े जहाजों पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिया है।

ईरान की हवाई रक्षा प्रणालियों को बड़े पैमाने पर हमले में ध्वस्त कर दिया गया

इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने घोषणा की है कि उन्होंने ईरान के रणनीतिक वायु रक्षा प्रणालियों पर एक बड़ा हमला किया है। आईडीएफ के अनुसार, इन प्रणालियों को हाल ही में ईरान भर में तैनात किया गया था ताकि ष्द रोरिंग लायनष् ऑपरेशन के दौरान कमजोर हुई सैन्य क्षमताओं को बहाल किया जा सके।

ईरान मिसाइल दागना बंद करे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज चौनल के एक रिपोर्टर से कहा कि वह चाहते हैं कि ईरानी मिसाइल दागना बंद करें और बातचीत की मेज पर लौट आएं। उन्होंने यह भी कहा कि रविवार को लेबनान में इजरायल के हमले अमेरिका के समन्वय के बिना किए गए थे और मैं इससे खुश नहीं हूं।

विशाखापत्तनम में बड़ा हादसा: पिघला हुआ स्टील लीक होने से 8 मजदूरों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में स्टील प्लांट की ैडे–2 और ैज्ब्–3 हीट फैसिलिटी में बड़ी मात्रा में पिघला हुआ स्टील लीक होने से आठ मजदूरों की मौत हो गई और अन्य कई घायल हुए हैं। विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के सर्कल इंस्पेक्टर केशव राव के मुताबिक, यह घटना बहुत ज्यादा तापमान पर पिघले हुए स्टील को ले जा रही एक लैडल के फटने से हुई। इसके बाद स्टील प्लांट में अफरा–तफरी मच गई और मजदूर अपनी जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे।

टीएमसी के 20 सांसदों की बगावत से बंगाल में बड़ा संकट

ममता बनर्जी ने सोमवार को इंडिया ब्लॉक की बैठक में भाग लिया, लेकिन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद सुखेन्दु शेखर रॉय के अचानक इस्तीफा देने और पार्टी छोड़ने के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं। अपने इस्तीफे पत्र में रॉय ने पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि 2026 के पश्चिम बंगाल चुनावों में जनता का जनादेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में है। इसके तुरंत बाद, 11 अन्य सांसदों ने दिल्ली स्थित रॉय के आवास पर उनसे मुलाकात की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से भी मुलाकात की, जिससे भाजपा में

सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेदों की अटकलों को और तेज कर दिया

शामिल होने की अटकलें तेज हो गईं। गौरतलब है कि टीएमसी के लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 13 सदस्य हैं। संसद में यह विद्रोह 2026 के राज्य चुनावों के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुए विद्रोह के बाद हुआ है, जहां पार्टी के पास 80 सीटें थीं। विधानसभा में 57 विधायकों ने निष्कासित ऋतव्रता बनर्जी का समर्थन किया है, जिन्हें सदन में विपक्ष का नेता (एलओपी) नामित किया गया है। गौरतलब है कि संसद और विधानसभा दोनों में बागी नेताओं ने ममता बनर्जी के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ असहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि वे पार्टी के कामकाज से निराश हैं और राज्य में पार्टी के पतन के लिए अभिषेक को जिम्मेदार ठहराया है। सूत्रों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के 20 से अधिक सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेदों की अटकलों को और तेज कर दिया है। खबरों के मुताबिक, ये सांसद एक अलग समूह या यहां तक घ्कि एक नया राजनीतिक गुट बनाने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि इसके लिए पर्याप्त संख्या में सांसद मौजूद हैं।

नीट–यूजी पेपर लीक पर इंडिया ब्लॉक का बड़ा एक्शन, सीजेआई को लिखेंगे खत, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली में विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों की एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए खर्गे ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश को जल्द से जल्द पत्र भेजने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि एसआईआर, मतों की लूट और चुनाव में धांधली को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी है। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंप दिया जाएगा। खरगे ने यह भी कहा कि इंडिया ब्लॉक ने सर्वसम्मति से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने का संकल्प लिया है, क्योंकि उन पर नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को प्रभावित करने वाली कथित अनियमितताएं हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ष्शिक्षा मंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग करने पर सर्वसम्मति से सहमति बनी है क्योंकि उन्होंने

नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में बैठने वाले लाखों युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खर्गे ने युवा, संस्थागत अखंडता और एक सतत संयुक्त विपक्षी मोर्चे पर केंद्रित गठबंधन की तत्काल कार्य योजना का विस्तृत विवरण दिया। खरगे ने आगे कहा कि गठबंधन के सहयोगी अब राष्ट्रीय राजनीति की समीक्षा और रणनीति समन्वय के लिए हर दो महीने में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेताओं की अगली औपचारिक बैठक 8 अगस्त को तय की गई है और भविष्य की तिथियों का निर्णय समय–समय पर लिया जाएगा और सूचित किया जाएगा। संसद के मानसून सत्र से पहले गठबंधन अपनी विधायी रणनीति को भी मजबूत कर रहा है। गठबंधन के सभी सहयोगियों की रणनीति बैठकें विपक्ष के नेता (एलओपी) के कार्यालय में नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी ताकि सत्ता पक्ष के खिलाफ दैनिक आधार पर एक एकजुट मोर्चा सुनिश्चित किया जा सके। केंद्र सरकार को मौजूदा नाजुक आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों के मुद्दे और अन्य जन–केंद्रित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तुरंत एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। यह सहमति बनी कि सभी दल हर दो महीने में मिलेंगे... मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के नेता के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह की बैठकों के साथ संसद समन्वय जारी रहेगा।

उज्ज्वला योजना : सब्सिडी वाले एलपीजी सिलिंडरों की संख्या 9 से घटाकर 4

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को पहले चार रिफिल पर प्रति सिलिंडर 300 रुपए का डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर मिलेगा।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, उज्ज्वला योजना वाले एक आम परिवार में औसतन साल भार में लगभग चार रिफिल सिलिंडर की खपत होती थी। पहले **PMUY** लाभार्थियों को साल में 9 रिफिल पर क्ठज् मिलता था।

सब्सिडी वाले एलपीजी सिलिंडरों की संख्या 9 से घटाकर 4: केंद्र सरकार ने सोमवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सालाना मिलने वाले सब्सिडी वाले गैस सिलिंडरों की संख्या नौ से घटाकर चार कर दी है। सरकार का कहना है कि यह बदलाव परिवारों द्वारा औसतन इस्तेमाल की जाने वाली गैस की मात्रा को ध्यान में रखकर किया गया है।

2016 में हुई थी योजना की शुरूआत: मई 2016 में शुरू की गई इस प्रमुख योजना के तहत, लाभार्थियों को शुरू में हर साल 14.2 किलोग्राम वाले 12 सब्सिडी वाले स्च्ळ सिलिंडर मिलते थे। पिछले साल इस कोटे को घटाकर 9 सिलिंडर कर दिया गया था और अब इसे और कम करके चार कर दिया गया है।

उज्ज्वला लाभार्थियों के सालाना इस्तेमाल की मात्रा के अनुरूप फैसला

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के एडिशनल सेकेट्री प्रवीण मल खनूजा ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि सब्सिडी वाले सिलिंडरों की नई संख्या मोटे तौर पर उज्ज्वला लाभार्थियों द्वारा सालाना इस्तेमाल की जाने वाली गैस की औसत मात्रा के अनुरूप है।

पीएम मोदी का अंत्योदय मिशन

12 वर्ष में गरीब कल्याण से आया जन सशक्तिकरण

नई दिल्ली। 7 जून को अपनी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दौरान भारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं, और गरीबों और वंचितों का कल्याण सरकार के प्रयासों का केंद्र रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय परिवर्तन देखे हैं, और इन विकासों के मूल में गरीबों और वंचितों का कल्याण रहा है। अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित होकर, हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि विकास के लाभ उन लोगों तक पहुंचें जो दशकों से पीछे छूट गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि जन धन स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत सहित प्रमुख पहलों का उद्देश्य लोगों को सम्मान, अवसर और बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना है। सोमवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर उन्होंने कहा कि यह भी खुशी की बात है कि गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सहायता सीधे और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंच रही है। इससे भ्रष्टाचार कम हुआ है, कार्यकुशलता बढ़ी है और शासन में विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि इसी तरह गरीब कल्याण को आगे बढ़ाने की यात्रा मानव सशक्तिकरण और विकसित भारत के हमारे सपने को साकार करने की दिशा में एक सामूहिक आंदोलन बन गई है। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर, भाजपा और एनडीए के नेताओं ने इस अवधि को ष्गरीब कल्याणष् के लिए समर्पित बताया और **#12YearsOfGaribKalyan** हैशटैग का इस्तेमाल किया।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर एसपी सख्त, खुद संभाली कमान सेंटरों का औचक निरीक्षण कर दिए कड़े निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए बहराइच पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। सोमवार (8 जून) को परीक्षा के पहले दिन पुलिस अधीक्षक (SP) विश्वजीत श्रीवास्तव ने खुद कमान संभालते हुए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्रों पर सुरक्षा और सीसीटीवी कैमरों की हुई पड़ताल घ्सपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने जनपद के प्रमुख परीक्षा केंद्रों, जिनमें महाराज सिंह इंटर कॉलेज और महिला विद्यालय शामिल हैं, का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया और सघन चेकिंग व्यवस्था को देखा। परीक्षा कक्षों और स्ट्रांग रूम की सुरक्षा जांची। कंट्रोल रूम में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने केंद्र व्यवस्थापकों और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पवित्रता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि, साल्वर गैंग या नकल माफियाओं पर सतत और पैनी निगरानी रखी जाए। आपको बता दें कि यह लिखित परीक्षा 8, 9 और 10 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके साथ ही यूपी–112 की पीआरवी गाड़ियां लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि अभ्यर्थियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो और परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

6 महीने से बाधित वैनी ग्राम सभा का मुख्य मार्ग हुआ सुगम: ग्रामीणों ने विधायक और निशंक त्रिपाठी का जताया आभार, जल निकासी के लिए उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। पिछले छह महीनों से बदहाली और आवागमन की गंभीर समस्या से जूझ रहे ग्राम सभा वैनी के मुख्य मार्ग की सूरत आखिरकार बदल गई है। ग्रामीणों की पुरजोर मांग और जनप्रतिनिधियों के त्वरित एक्शन के बाद गांव के मुख्य रास्ते पर शानदार इंटरलॉकिंग का कार्य पूरा हो चुका है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। वादे के मुताबिक तय समय में पूरा हुआ काम ग्रामीणों ने बताया कि इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद, क्षेत्रीय विधायक और विधानसभा संयोजक निशंक त्रिपाठी ने इसे गंभीरता से लिया था। जब हमने इस समस्या को लेकर बड़े भैया निशंक त्रिपाठी से मुलाकात की थी, तो उन्होंने मात्र 3 महीने के भीतर काम कराने का वादा किया था। खुशी की बात यह है कि उन्होंने तय समय सीमा के भीतर ही इंटरलॉकिंग लगवाकर आवागमन को बेहद सुगम और सुलभ बना दिया।इस त्वरित और सराहनीय कार्य के लिए पूरे ग्रामवासियों ने विधायक और निशंक त्रिपाठी का हृदय से आभार व्यक्त किया है। सड़क बनने से पूरे गांव में हर्ष और उल्लास का माहौल है। लेकिन अधूरी नाली से गहराया श्उजाड़श का खतरा एक तरफ जहाँ सड़क बनने से ग्रामीण बेहद खुश हैं, वहीं दूसरी तरफ जल निकासी (नाली) की समस्या अभी भी जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि इंटरलॉकिंग के साथ–साथ करीब 20–25 मीटर टूटी हुई नाली का निर्माण भी होना तय हुआ था, जिसका काम अभी तक शुरू नहीं हो सका है। जलभराव का डर यदि नाली का निर्माण जल्द नहीं हुआ, तो घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर भरेगा सड़क खराब होने की आशंका जलभराव के कारण यह शानदार इंटरलॉकिंग सड़क बहुत जल्द दोबारा टूट सकती है और गांव वापस पुरानी बदहाली में लौट सकता है। ग्रामवासियों ने विधायक और बड़े भैया निशंक त्रिपाठी से सविनय निवेदन किया है कि वादे के मुताबिक इस 20–25 मीटर टूटी नाली का निर्माण भी जल्द से जल्द शुरू कराया जाए। ग्रामीणों को पूरी उम्मीद है कि सड़क की तरह ही इस जल निकासी की समस्या का भी त्वरित समाधान होगा और गांव को एक और खुशी का मौका मिलेगा।

शपथ ग्रहण के दिन से ही शुरू हुई काम रोकने की साजिश' - पयागपुर में रिपोर्ट कार्ड पेश कर बरसे पूर्व विधायक

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। नगर पंचायत पयागपुर के अध्यक्ष विपिन उर्फ बालेंद्र श्रीवास्तव के आवास पर आयोजित एक भव्य समारोह में पिछले तीन वर्षों बनाम डेढ़ वर्ष की विकास प्रगति का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव ने वर्तमान भाजपा विधायक पर विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि नगर पंचायत अध्यक्ष विपिन उर्फ बालेंद्र श्रीवास्तव के चुनाव जीतने और शपथ ग्रहण करने के साथ ही उनके खिलाफ राजनीतिक साजिशों का दौर शुरू हो गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ सभासदों को अलग से तहसील परिसर में शपथ दिलाकर नगर पंचायत के विकास कार्यों को प्रभावित करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत बोर्ड की पहली बैठक में सर्वसम्मति से क्षेत्र के विकास के लिए 185 प्रस्ताव पारित किए गए थे, लेकिन दुर्भावनापूर्ण राजनीति के चलते इन कार्यों को रोकने का प्रयास किया गया। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत के लिए स्वीकृत कल्याण मंडप का बजट राजनीतिक कारणों से वापस चला गया। वहीं मसूदपुर चौराहा से बारी पुरवा चौराहा तक सड़क निर्माण कार्य भी विभिन्न अड़चनों के कारण एक वर्ष तक प्रभावित रहा। मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि तमाम बाधाओं के बावजूद विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास जारी रखा गया और जनता के हितों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष विपिन उर्फ बालेंद्र श्रीवास्तव ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि राजनीतिक विरोध और प्रशासनिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने जनता से किए गए वादों को पूरा करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक मूल्यांकन जनता स्वयं कर सकती है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम में नगर पंचायत के सभी सभासद, स्थानीय गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ज्ञापन देने को लेकर सपा नेता संजय विद्यार्थी किए गए हाउस अरेस्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में आ रहे मुख्यमंत्री को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बेरोजगारी, खाद की किल्लत डीजल पेट्रोल की बेतहाशा मंहगाई, पेपर लीक से पीडीए समाज पर हो रहे अत्याचार उत्पीडन परीक्षा सेंटर दूर दूर जिलों में भेजने आदि मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के क्रम में सपा के राष्ट्रीय सचिव निर्वतमान प्रत्याशी गौरा विधानसभा संजय विद्यार्थी को उनके आवास पर बड़ी संख्या में फोर्स लगाकर हाउस अरेस्ट किया गया। संजय विद्यार्थी ने कहा कि वर्तमान सरकार इन मुद्दों पर पूरी तरह फेल है। आज किसानों को खाद नहीं मिल रही है,डीजल पेट्रोल की मंहगाई से रोजमर्रा की जरूरत के सामान सब मंहगे हो गए हैं किसान हैरान परेशान लाचार है। पेपर लीक से नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। जो परीक्षाएं इस समय चुनाव को ध्यान में रखकर सरकार करा रही है उसका सेंटर दूर दूर जिलों में भेजकर छात्रों का शोषण करने का काम कर रही है। समाजवादी सरकार में ही दवाई पढाई सस्ती होगी किसान खुशहाल होंगे नौजवानों को समय से नौकरी मिलेगी, विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम चौधरी ने भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण मंहगाई चरम पर है। जिला उपाध्यक्ष जीतू निषाद, जिला सचिव मोहनलाल यादव, विधानसभा अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग शिवकुमार प्रजापति, नरेन्द्र यादव, संजय कनौजिया, पवन यादव, शाहिद हुसैन, हर्ष चौधरी, वसंत लाल यादव, दिलीप वर्मा, मोहम्मद इस्लाम, गणेश निषाद, अखिलेश गुप्ता, जोखुलाल गौतम, नीरज पाठक, बृजलाल यादव, सर्वेश साहू, राकेश यादव, सुनील शर्मा, जी इन्द्रजीत यादव, मुकेश जायसवाल, सालिक भारती, सतीश यादव, लालजी आर्या, शिवशंकर मौर्या, विजय बहादुर पाण्डेय, चन्दन यादव, शिवशंकर गुप्ता, जमाई खान, मनोज यादव, मनोज शर्मा, कर्म हुसैन, कुलदीप यादव, हरि प्रसाद, आरिफ अहमद, विकास वर्मा, दिलशाद अहमद, मोनू ठाकुर, अजहर हुसैन, मुलायम यादव, अनिल गौतम, फुल चन्द जलवंशी, उमेश जायसवाल, मोहित यादव, सिराज इदरीशी बड़ी संख्या कार्यकर्ता उपस्थिति रहें।

तेजवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय ने सपरिवार किया रुद्राभिषेक, क्षेत्राकी खुशहाली के लिए की प्रार्थना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। तेजवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय ने सोमवार को सपरिवार क्षेत्र की सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। मुख्य पूजा और महाआरती संपन्न होने के बाद मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया। घ्स धार्मिक आयोजन के अवसर पर मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख ममता अवस्थी और हर्षित अवस्थी उपस्थित रहे। इनके अलावा क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, समाज सेवी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी इस पावन अनुष्ठान का हिस्सा बने और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

वैदिक मंत्रोच्चार किया गया, जिसकी गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। रमाकर पांडेय ने भगवान भोलेनाथ से तेजवापुर ब्लॉक सहित पूरे जिले की की सुख–समृद्धि और शांति के लिए धार्मिक अनुष्ठान किया। उन्होंने बौंडी क्षेत्र के राजा रेहुआ स्थित सुप्रसिद्ध सागर नाथ बाबा मंदिर में विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। ध्धार्मिक अनुष्ठान के दौरान विद्वान पुरोहितों द्वारा

बहराइच में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: 8 एडीओ पंचायतों के तबादले, कई को मिला अतिरिक्त प्रभार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में ग्रामीण विकास कार्यों और पंचायती राज व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के अनुमोदन के बाद जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) चन्द्रभान सिंह ने जनपद के 8 सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। साथ ही कई अधिकारियों को अतिरिक्त ब्लॉकों का कार्यभार भी सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार तेजनरायन राव को पयागपुर से स्थानांतरित कर विशेश्वरगंज में तैनात किया गया है। राजेश चौधरी को बलहा से तेजवापुर भेजते हुए महसी ब्लॉक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। विकास अवस्थी को नवाबगंज से स्थानांतरित कर पयागपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार अशफाक अहमद को मिहींपुरवा से नवाबगंज भेजा गया है तथा उन्हें बलहा ब्लॉक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। राजेन्द्र प्रसाद को शिवपुर से चित्तौरा, जबकि बृजेश सिंह को कैसरगंज से मिहींपुरवा स्थानांतरित किया गया है। सम्बद्ध चल रहे नजर इमाम को कैसरगंज का नया एडीओ पंचायत नियुक्त करते हुए जरवल ब्लॉक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। वहीं राम कुमार को चित्तौरा से स्थानांतरित कर शिवपुर भेजा गया है। डीपीआरओ चन्द्रभान सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी तत्काल अपने नए तैनाती स्थल पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करें तथा इसकी सूचना कार्यालय को उपलब्ध कराएं। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि अतिरिक्त प्रभार संभालने वाले अधिकारियों को इसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त वेतन अथवा भत्ता देय नहीं होगा। इस प्रशासनिक फेरबदल की प्रतिलिपि जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उप निदेशक पंचायत देवीपाटन मंडल सहित सभी संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। माना जा रहा है कि इस बदलाव से ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विकास योजनाओं और पंचायती राज विभाग के कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

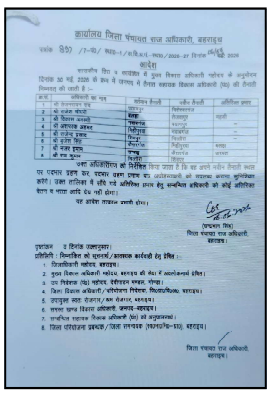

सम्पूर्ण समाधान मनकापुर में 169 शिकायतों में से 15 का मौके पर ही किया गया निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के मनकापुर तहसील में शासन की मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का एक ही स्थल पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से जनपद के समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिसमें तहसील मनकापुर में डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन,एसपी विनीत जायसवाल तथा मुख्य विकास अधिकारी दयानन्द प्रसाद ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों का त्वरित एवं समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित किया गया।जनसुनवाई के दौरान तहसील मनकापुर में कुल 169 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिसमें 15 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया है शेष प्रार्थना पत्रों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुये आख्या तहसील में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने निर्देश दिए हैं कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित किया जाय,टीम द्वारा शिकायत का मौके पर स्थलीय जांचकर पूरी गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाय। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण तथा चकमार्ग के मामले में संयुक्त रूप से राजस्व एवं पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें।उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब जमीन की पैमाइश, अवैध कब्जा, चकरोड,नाली, अवैध अतिक्रमण आदि को पुलिस फोर्स के साथ हटवाने का कार्य करें। शिकायतकर्ताओं को मौके पर बुलाएं। उसके आने पर लिखित रूप से उल्लेख करें और निस्तारण के प्रकरण का फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी भी करना सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर पूरी गुणवत्ता के साथ करें अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।संपूर्ण समाधान दिवस के अंत में जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी संबंधित विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित करें।संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायतकर्ता अरुण कुमार पाठक निवासी गढ़ी विद्यानगर मोतीगंज ने अवगत कराया कि ग्राम सभा की गाटा संख्या 150 खलिहान की सुरक्षित भूमि है जिस पर गांव के ही सुरेश तिवारी व अन्य के द्वारा अवैध रूप से कब्जा करके व्यावसायिक कार्य किया जा रहा है जिसे संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार सुभद्रा प्रसाद को निर्देश दिए हैं की मौके का स्थलीय जांच करके नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संतलाल, उपजिलाधिकारी मनकापुर अवनीश त्रिपाठी, प्रभारी तहसीलदार सुभद्रा प्रसाद, परियोजना निदेशक डीआरडीए सुशील कुमार पांडेय,जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे,जिला पूर्ति अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, तथा अन्य विभागों के अधिकारीगण सहित अन्य सभी जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बड़ी राहतः आज से संजय सेतु पर छोटे वाहनों का आवागमन शुरू

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से इंतजार कर रहे लोगों को आखिरकार राहत मिल गई है। आज सुबह 9रू30 बजे से संजय सेतु पर छोटे वाहनों का आवागमन शुरू कर दिया गया है।संजय सेतु के खुलने से अब दोपहिया, तीनपहिया और अन्य छोटे वाहनों के चालकों को काफी सुविधा मिलेगी। इससे आसपास के मार्गों पर पड़ने वाला ट्रैफिक दबाव कम होगा और लोगों का सफर पहले की तुलना में अधिक सुगम एवं तेज हो सकेगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर आवागमन शुरू होने से रोजाना आने–जाने वाले हजारों यात्रियों, व्यापारियों और छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा। अब उन्हें लंबा चक्कर लगाने या जाम की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा।प्रशासन की इस पहल से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पुल पर छोटे वाहनों का संचालन शुरू होने के साथ ही लोगों में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। संजय सेतु पर छोटे वाहनों के आवागमन की शुरुआत से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली है और अब सफर पहले से अधिक आसान, सुरक्षित और तेज होगा।

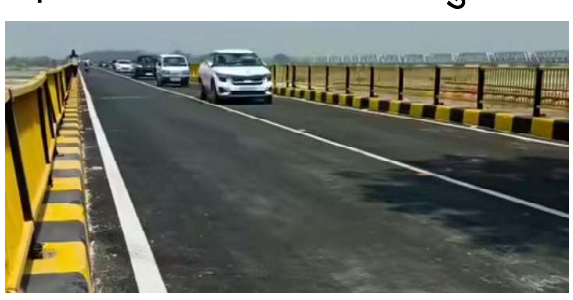

पचपेड़वा में धड़ल्ले से सरकारी भूमि से हो रहा है अवैध मिट्टी खनन,

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पचपेड़वा,नगर पंचायत सीमा क्षेत्र में बरगदवा सैफ के पास सरकारी भूमि से अवैध मिट्टी खनन धड़ल्ले से हो रहा है। अवैध मिट्टी खनन पर रोक लगाने के प्रशासनिक दावों के बावजूद खनन का खेल थमता नजर नहीं आ रहा है। लोगो का कहना है कि लेखपाल और हल्का सिपाही के मिली भगत से बिना अनुमति मिट्टी खनन किया जाता है। आरोप है कि खनन माफिया जेसीबी और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों के माध्यम से बड़े पैमाने पर मिट्टी निकालकर दूसरे स्थानों पर पहुंचा रहे हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना किसी वैध अनुमति के यह कार्य लंबे समय से जारी है, जिससे सरकारी भूमि गड्ढे में तब्दील हो गई है। सरकारी भूमि का स्वरूप भी बिगड़ता जा रहा है।क्षेत्र में चर्चा है कि कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। नगर पंचायत पचपेड़वा क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन की गतिविधियां संचालित हो रही हैं, जिससे सरकार को राजस्व की हानि भी हो रही है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बलरामपुर खनन विभाग के अधिकारी ने कहा कि बिना अनुमति मिट्टी खनन पूरी तरह अवैध है और शिकायत मिलने पर जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लग पाता है या नहीं।

आरजू मेडिकल स्टोर पर गंभीर आरोप, मरीज को थमा दी एक्सपायरी दवा ?

दैनिक बुद्ध का संदेश

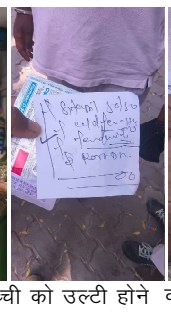

शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत क्षेत्र में संचालित एक मेडिकल स्टोर एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ से लगभग 20–25 मीटर की दूरी पर स्थित आरजू मेडिकल स्टोर पर एक बुजुर्ग को एक्सपायरी दवा बेचने का आरोप लगा है। मामले का वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार चिल्हिया थाना क्षेत्र के कंदवा निवासी कृष्णा प्रसाद पटवा गैस की समस्या के लिए दवा लेने मेडिकल स्टोर पहुंचे थे। आरोप है कि उन्हें सिप्ला कंपनी की Pantosec D SR नामक दवा बेची गई, जिस पर एमएफजी जून 2024 तथा EXP मई 2026 अंकित था। कृष्णा प्रसाद पटवा का कहना है कि जब उन्होंने दवा डॉक्टर को दिखाई तो डॉक्टर ने दवा की वैधता अवधि समाप्त होने की बात बताते हुए उसे बदलवाने की सलाह दी। इसके बाद जब वह दवा वापस करने मेडिकल स्टोर पहुंचे तो वहां मौजूद कुछ मीडिया कर्मियों द्वारा वीडियो बनाए जाने पर विवाद खड़ा हो गया। आरोप है कि मेडिकल स्टोर संचालक के कथित पुत्र ने पहले दवा को अपनी दुकान से बेचे जाने से ही इंकार कर दिया। इस दौरान लगभग छह से सात मिनट तक बहस होती रही और मौके पर मौजूद लोगों ने भी घटना का वीडियो बनाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाद में बातचीत के बाद मेडिकल स्टोर की ओर से उक्त दवा बदलकर दूसरी कंपनी की Pantop-D SR दवा दे दी गई। पीड़ित कृष्णा प्रसाद पटवा ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वह संबंधित विभागों में लिखित शिकायत देने के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी मेडिकल स्टोर पर एक्सपायरी दवा बेचने के आरोप लग चुके हैं। शोहरतगढ़ नगर पंचायत के गड़ाकुल निवासी इंद्रजीत यादव ने एक प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि 29 अप्रैल 2026 को उनकी सात माह की बच्ची के उपचार के लिए मेडिकल स्टोर से खरीदी गई VitoniÛ Drops नामक दवा एक्सपायरी थी। परिजनों के अनुसार दवा देने के बाद बच्ची को उल्टी होने लगी। दवा की जांच करने पर उसके जनवरी 2026 में ही एक्सपायर हो जाने की जानकारी मिली। शिकायत करने पर मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा अभद्र व्यवहार करने और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था। उस समय पीड़ित परिवार ने निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की थी। लगातार सामने आ रहे आरोपों के बीच स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि मेडिकल स्टोरों की नियमित जांच औषधि विभाग द्वारा कितनी प्रभावी ढंग से की जा रही है। साथ ही यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि जिस व्यक्ति के नाम से मेडिकल स्टोर का लाइसेंस जारी है, क्या दुकान का संचालन और दवा वितरण भी वही कर रहा है अथवा कोई अन्य व्यक्ति। जानकारों का कहना है कि मेडिकल स्टोर के लाइसेंस और वास्तविक संचालन को लेकर भी जांच की आवश्यकता है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल लगातार सामने आ रहे आरोपों ने मेडिकल स्टोर की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब लोगों की नजर स्वास्थ्य एवं औषधि विभाग की कार्रवाई पर टिकी हुई है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए औषधि निरीक्षक आलोक कुमार त्रिवेदी ने बताया कि प्रकरण उनके संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रेल मार्ग निर्माण के लिए पाटी गई नहर खुलवाई गई, किसानों को मिली राहत

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। बलरामपुर–बांसी रेल मार्ग परियोजना के तहत निर्माण कार्य के दौरान बंद की गई रिठिया नहर शाखा को आखिरकार सिंचाई विभाग ने खुलवा दिया है। किसानों की समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद विभाग हरकत में आया और रेलवे निर्माण एजेंसी के सहयोग से नहर में पानी का प्रवाह बहाल करा दिया गया। खेसरहा क्षेत्र के बनकटा गांव के पास रेल मार्ग निर्माण के लिए रिठिया नहर शाखा को मिट्टी डालकर पाट दिया गया था। करीब 20 दिन पहले सरयू नहर विभाग द्वारा नहर में पानी छोड़ा गया था, लेकिन मार्ग अवरुद्ध होने के कारण पानी आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इससे महुआ, कंकेहवा, भलुहा, खेसरहा और बरसा समेत कई गांवों के किसान सिंचाई के पानी से वंचित हो गए थे। धान की नर्सरी तैयार करने का समय होने के कारण किसान चिंतित थे। पानी नहीं मिलने से खेती–किसानी प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई थी। किसानों ने कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा था। मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद सिंचाई विभाग ने संज्ञान लिया और तत्काल कार्रवाई करते हुए बंद की गई नहर शाखा को खुलवा दिया। सरयू नहर विभाग के अवर अभियंता हरीशचंद्र चौरसिया ने बताया कि पाटी गई नहर को खोल दिया गया है तथा 15 जून से नहर में पुनः पानी छोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। नहर खुलने की सूचना मिलते ही किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान होने से धान की खेती प्रभावित नहीं होगी। किसानों ने विभागीय अधिकारियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनकी समस्या के समाधान से क्षेत्र की खेती को बड़ी राहत मिली है।

निर्देशों के बावजूद मुड़ेहरा गांव में नहीं हुई सफाई, गंदगी से ग्रामीण परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। पंचायत विभाग के निर्देशों के बावजूद खेसरहा क्षेत्र के मुड़ेहरा गांव में सफाई व्यवस्था बदहाल बनी हुई है। गांव की नालियां जाम होने से गंदा पानी मुख्य मार्ग पर बह रहा है, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार करीब एक सप्ताह पूर्व बसखोरिया, रमवापुर और मुड़ेहरा गांव के ग्रामीणों ने गांवों में फैली गंदगी तथा जाम नालियों की समस्या को लेकर ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पंचायत विभाग ने संबंधित गांवों में सफाई कराने के निर्देश जारी किए थे। विभागीय निर्देश के बाद बसखोरिया और रमवापुर गांव में सफाई कार्य कराया गया, लेकिन मुड़ेहरा गांव में अब तक सफाई नहीं कराई गई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के मुख्य मार्ग के किनारे बनी नालियां पूरी तरह चोक हो चुकी हैं। नालियों का गंदा पानी सड़क पर फैल रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। सड़क पर जलभराव और गंदगी के कारण दुर्गंध फैल रही है तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में तीन सफाई कर्मियों की तैनाती होने के बावजूद नियमित सफाई नहीं की जा रही है। उनका कहना है कि यदि नालियों की समय पर सफाई कर दी जाए तो पानी आसानी से गांव के बाहर निकल सकता है, लेकिन लापरवाही के कारण समस्या लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सफाई अभियान चलाकर समस्या का समाधान कराने तथा जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में प्रभारी एडीओ पंचायत विकास चौधरी ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। यदि गांव में सफाई कार्य नहीं कराया गया है तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और जल्द ही सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई जाएगी।

बदलते मौसम का असर, सीएचसी खेसरहा में मरीजों की बढ़ी भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने लगा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खेसरहा में इन दिनों मरीजों की संख्या में काफी वृद्धि देखी जा रही है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बुखार, सर्दी–जुकाम, खांसी, वायरल संक्रमण, पेट दर्द एवं अन्य मौसमी बीमारियों के इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। सीएचसी खेसरहा के अधीक्षक डॉ. शाहनवाज जाहिर ने बताया कि मौसम में अचानक हो रहे परिवर्तन के कारण लोगों में वायरल बुखार, सर्दी–जुकाम और पेट संबंधी समस्याएं बढ़ी हैं। अस्पताल में मरीजों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में अधिक हो गई है। उन्होंने बताया कि चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में जुटे हुए हैं। वहीं अस्पताल में तैनात डॉ. मनीष कुमार वैश्य ने बताया कि बदलते मौसम में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने सलाह दी कि लोग साफ–सफाई का ध्यान रखें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, बाहर का दूषित भोजन खाने से बचें तथा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें। अस्पताल प्रशासन के अनुसार ओपीडी में प्रतिदिन सैकड़ों मरीज पहुंच रहे हैं, जिनमें बच्चों और बुजुर्गों की संख्या अधिक है। चिकित्सकों ने लोगों से मौसम के अनुरूप खान–पान और रहन–सहन अपनाने की अपील की है ताकि मौसमी बीमारियों से बचा जा सके।

मोहर्रम को लेकर खेसरहा थाने में पीस कमेटी की बैठक, शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना खेसरहा परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में आयोजित हुई, जिसमें क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह एवं उपजिलाधिकारी बांसी ने मौजूद लोगों के साथ त्योहार को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में थाना प्रभारी खेसरहा अनूप कुमार मिश्रा, ताजियादार, जुलूस आयोजक, ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी से मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। साथ ही जुलूसों को निर्धारित मार्गों से निकालने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने पर जोर दिया गया। क्षेत्राधिकारी शुबेन्दु सिंह ने कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री साझा करने से बचें। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या कानून व्यवस्था से संबंधित सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उपजिलाधिकारी बांसी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य सभी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना है। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्रशासन का सहयोग करने और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की। थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा ने जुलूस आयोजकों एवं ताजियादारों को सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि मोहर्रम के दौरान पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने सभी से आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सौहार्द की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

मृतक मजदूर मुस्ताक के परिजनों से मिले सपा नेता, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़। तुलसियापुर चौराहे पर निर्माणाधीन गेट गिरने से हुई मजदूर मुस्ताक (22) की मौत के मामले में समाजवादी पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों ने रविवार को उसके गांव मढ़नी पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की तथा शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि मामले में उच्चाधिकारियों से वार्ता कर मृतक परिवार को शीघ्र मुआवजा एवं अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि घटना को पांच दिन बीत जाने के बावजूद मृतक के परिजनों को अभी तक कोई आर्थिक सहायता नहीं मिल सकी है, जो प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल राहत उपलब्ध कराने की मांग की। मणेन्द्र मिश्रा ने मृतक के पिता किताबुल्लाह को राशन किट एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई। साथ ही परिवार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर उग्रसेन सिंह, इब्राहिम बाबा, वीरेंद्र तिवारी, शकील शाह, जावेद खान, मसूद खान, गोपाल फौजी, हरिनाथ यादव, राकेश दूबे, अजय चौरसिया, जमील प्रधान, मतलूब आलम, महबूब आलम, सऊद, मौलाना अलीम, संजय यादव, जलाल अहमद, अब्दुल मन्नान, गुड्डू, दानिश, मोहम्मद खालिद, शादाब आलम, मारूफ आलम, शफीक, हरिहर प्रसाद, इरशाद सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विधायक निधि से बनेगा आधुनिक सभागार, दीवानी न्यायालय परिसर में हुआ शिलान्यास

24.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित होगा 'राजगुरु-सुखदेव सभागार', अधिवक्ताओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मोत्सव के अवसर पर सोमवार को दीवानी न्यायालय परिसर स्थित सिविल बार एसोसिएशन, सिद्धार्थनगर में विधायक निधि से निर्मित होने वाले 'राजगुरुदृ सुखदेव सभागार' का शिलान्यास किया गया। करीब 24.50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस आधुनिक सभागार की आधारशिला कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने रखी। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं और गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने की, जबकि संचालन एवं स्वागत संबोधन महामंत्री कृपाशंकर त्रिपाठी ने किया। अपने संबोधन में विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उनके लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नया सभागार बैठकों, संगोष्ठियों तथा विभिन्न विधिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में अखंड प्रताप सिंह ने कहा कि लंबे समय से अधिवक्ता समुदाय एक सुसज्जित सभागार की मांग कर रहा था। विधायक निधि से निर्माण कार्य की स्वीकृति मिलने से यह महत्वपूर्ण मांग पूरी होने जा रही है। उन्होंने इसके लिए विधायक श्यामधनी राही का आभार व्यक्त किया। महामंत्री कृपाशंकर त्रिपाठी ने कहा कि सभागार का निर्माण बार एसोसिएशन के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। इससे अधिवक्ताओं को बैठकों एवं सामाजिक–वैधानिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी तथा न्यायिक गतिविधियों को भी नया आयाम प्राप्त होगा। कार्यक्रम को वरिष्ठ अधिवक्ता गंगाराम पांडेय, वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, शत्रुघ्न प्रसाद चौधरी, शेखर सिंह, रमेश कुमार पांडेय, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव एवं अनुपमा सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पवन चंद्र शुक्ला, भार्गव नरेंद्र कुमार, रिंकू श्रीवास्तव, भूपेंद्र सिंह बघेल, राघवेंद्र सिंह, राकेश सिंह, प्रमोद दुबे, प्रियंका सिंह, प्रमोद सिंह, अरविंद शुक्ला, पशुपतिनाथ दुबे, प्रभाकर मिश्रा, गिरिजेश पांडेय, देवानंद श्रीवास्तव, दिवाकर दुबे, रियाज अहमद, त्रिपाठी सहोदर बंधु, मणिकांत मिश्रा, गिरजेश बहादुर सिंह, अनिल विश्वकर्मा, जयनेन्द्र मिश्रा एवं दीपक शाही सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डीएम–एसपी ने पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन ने सोमवार को आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती परीक्षा–2025 के प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान मुस्लिम इंटर कॉलेज महदेइया और जवाहरलाल नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा ड्यूटी में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था की भी समीक्षा की।

सम्पादकीय

तभी युवाओं ने हेय □ष्टि से देखे जाने वाले जीव कश्चकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफश्वर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य ...

कॉकरोच पार्टी के मुद्दों पर विचार की जरूरत

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर–मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर–मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतरूस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं।

राजनीति के पंडित जंतर–मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन जी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।

सेवा और सुविधा का फर्क

आप घर से बाहर कहीं भी जाइए, वो चाहे किसी भी स्तर का होटल हो, अस्पताल हो, स्कूल कॉलेज हो या कार्यालय हो, आपकी सुविधा के लिए आपको हर स्थान पर सहायकों का एक दल मिलेगा जिसे उस संस्था के आयोजक सेवा दल का नाम देते हैं। सरकारी नौकरी करने वाले लोग भी सेवक कहलाते हैं। नौकरी देने वाली संस्था का नाम ही लोक सेवा आयोग है। राजनीति में आने वाले लोग भी स्वयं को जनता का सेवक कहते हैं, लेकिन उनका तो उद्देश्य अपना हित ज्यादा होता है। मेरी दृष्टि में हर वह कार्य जिसके लिए आपको वेतन मिलता है वह आपकी जीविका का साधन है, सेवा नहीं। इन सभी स्थानों पर परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से आप स्वयं ही इन सेवाओं का भुगतान करते हैं। कभी किराए के रूप में, कभी टिप के रूप में, कभी फीस के रूप में या कभी रिश्वत के रूप में, जिसे आज की प्रचलित भाषा में सुविधा शुल्क कहा जाता है। सेवा कभी खरीदी या बेची नहीं जा सकती। सेवा एक अमूर्त भावना है जिसके प्रतिदान में कोई भी अपेक्षा या प्रत्याशा नहीं होती। यह सिर्फ अनन्य प्रेम, करुणा, दया या श्रद्धा से जुड़ी भावना है जिसके पीछे न कोई स्वार्थ होता है न ही लालच। सेवा के पीछे परोपकार की भावना जुड़ी होती है जहां आप निर्मल मन से केवल सामने वाले के कष्ट को कम करने के प्रयास में तन मन धन से जुट जाते हैं। हर हाल में उसे सुख पहुंचाना चाहते हैं, यह जानते हुए भी कि आपको इसके प्रतिदान में कुछ मिलने वाला नहीं है। सेवा एक विशुद्ध सात्विक कर्म है जो सेवा पाने वाले और सेवा करने वाले दोनों को ही अनिर्वचनीय आनंद से भर देता है। इस निष्काम सेवा के भी तीन रूप होते हैं– एक सेवा वह है, जिसके तहत हम किसी साधु–महात्मा या किसी बुजुर्ग को सम्मान देने के लिए उनके सारे काम करते हैं, उनके पैर दबाते हैं, उनके भोजन पानी की व्यवस्था करते हैं ताकि उनकी सहायता हो जाए और हमें उनका आशीर्वाद मिल जाए। दूसरी सेवा के तहत आता है मंदिरों या गुरुद्वारों में जाकर सेवा कार्य करना जैसे इन देवस्थानों की साफ–सफाई, जूते चप्पलों का रख–रखाव या वहां की रसोई में भोजन बनाने या परोसने खिलाने में मदद करना। तीसरी सेवा वह होती है जो बिलकुल दीन–हीन, असहाय, लाचार अस्वस्थ रोगियों के लिए की जाती है। जिन्हें मदद न मिले तो उनका जीवन संकट में आ जाए। हर मनुष्य जिसमें मानवता शेष हैख् अपनी क्षमता और सामर्थ्य के अनुसार कुछ न कुछ सेवा तो अवश्य ही करता है।

छोटी चीजों से आनंद और सुख की प्राप्ति

यहां बड़ा भारी पेच है! इसकी पूर्ति कभी पूरी होती ही नहीं, और समय रीत जाता है। सौ वर्षों की आयु तक हद से हद कितने रुपयों की आवश्यकता हो सकती है, यह गणित लगानी है। यह उतना मुश्किल भी नहीं है! मोटा–मोटी इसकी आपूर्ति सुनिश्चित होने के उपरांत, मानव जीवन के अन्य बड़े उद्देश्यों में स्वयं को खपाना चाहिए। भक्ति, सेवा, साधना या आत्मोथान। कोई भी मार्ग, जिससे 'मैं' यानी अहंकार के गलने ...

अक्सर हमारे आम व्यवहार में यह सुनने को मिलता है–लीजिए यह मिठाई खाइए! नहीं–नहीं 'मन' नहीं है! पिक्चर चलते हैं। आज 'मन' नहीं है! या आज बाहर जाकर खाने का खूब 'मन' कर रहा है! गौर कीजियेगा, मन का अर्थ इच्छा से है। इच्छा, कामना, चाह यह सब 'मन' ही हैं। ये नहीं तो 'मन' भी नहीं है!! कामना ही कर्म की ओर प्रेरित करती है। कामनाएं असंख्य हो सकती हैं। देश, काल और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती हैं। स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो बाहर जाकर खाने की कामना नहीं उठ सकती। कोई काम बिगड़ गया तो महफिल में जाने की चाह नहीं हो सकती! इच्छाओं पर दृष्टि बनी रहे और सार्थक निरर्थक का भेद करना आ जाए, तो जीवन का कल्याण संभव है। अन्यथा, मनुष्य तो ताउम्र इनका गुलाम ही बना रहेगा। कामनाओं से मुक्ति यानी 'मन' की समाप्ति। और यही दशा परम–मुक्ति की आधारशिला बन सकती है। जीते जी परम मुक्ति! मरने के बाद, इस जीवन के संग्रहणों या बाधाओं से तो मुक्ति सभी को मिल ही जाती है। यह कोई विशेष उपलब्धि नहीं हो सकती! कुछ बहुत मौलिक जरूरतों के बीच ही लालसाएं पैदा होती हैं। इन लालसाओं का कोई अंत नहीं होता! एक कामना– खूब पैसा हो यानी जमीन–जायदाद, सोना–चांदी और बहुतायत में भोग सामग्री। दूसरी, नाम, सम्मान, प्रतिष्ठा की। ख्याति ऐसी हो कि बच्चे–बड़े सभी आदर की दृष्टि से देखें। घर में सुख–शांति हो, सभी प्रसन्न रहें यह तीसरी ख्वाइश! शरीर स्वस्थ रहे, निरोगी हों। इससे

अधिक मानव क्या चाहता है? इन्हीं कामनाओं के छोटे या विकराल और वीभत्स रूप ही तो परिलक्षित होते हैं।

आत्मोपलब्धि का मार्ग भी मन के रास्ते होकर ही गुजरता है। संसार में रमणातीत मानव स्वभाव अधिकांशतः यह कामना करता ही नहीं। करता भी है तो आधी–अधूरी। क्योंकि बहुत गहरे तो सांसारिक भोग की लिप्तता और लगातार पाते रहने की आकांक्षा ही उसे सुहाती है। इसलिए, बिना मन के किए गए समस्त आध्यात्मिक प्रयास विफल हो जाते हैं! कई स्मार्ट लोग अध्यात्म को भी सांसारिक चाहतों की पूर्ति से 'लिंक' कर देते हैं। नियमित पूजा–पाठ, सत्संग, मंदिर दर्शन, ध्यान और भक्ति को वे आत्मकल्याण के लिए नहीं, सांसारिक उपलब्धियों की प्राप्ति के उपक्रम की तरह इस्तेमाल करते हैं। धर्म का सहारा लेकर भी वे अपनी कर्मभूमि में अधार्मिक कार्यों में ही संलग्न रहते हैं। भ्रम यह रखते हैं कि अंत में दोनों समायोजित हो जाएंगे! एक से अनेक हो जाने की एक तीव्र इच्छा से ईश्वर अनेक रूपों में अभिव्यक्त हो गए। बस, एक तीव्र इच्छा ही तो कुंजी है। धर्म के मार्ग पर चलने वाले श्रमण केवल एक ईमानदार और तीव्र इच्छा करें– आत्मोपलब्धी (परमात्मा प्राप्ति) की! शेष कार्य, यह इच्छा (मन) ही पूरा कर देगी। स्वयं को स्वयं से मिलाने का मार्ग मन ही निर्मित करता है। मजे की बात यह भी है कि यह मिलन करा देने के पश्चात मन विदा हो जाता है। मन की यह विदाई ही मुक्ति में परिवर्तित हो जाती है। मानव स्वभाव इच्छाओं के बारे में भी स्पष्ट नहीं है। उसे वाकई चाहिए क्या, इस पर ही वह भ्रमित है। दिखाता कुछ और है, लेकिन भीतर चाहतें कुछ अलग भूचाल मचाती हैं। संतुष्टि का स्वांग अवश्य करता है, लेकिन मरते दम तक कामनाओं के विकास में ही लगा रहता है। चाहतों की प्राथमिकता क्या हो, इतना भी ज्ञान नहीं, लेकिन समझता स्वयं को बड़ा बुद्धिमान है।

पहला सुख निरोगी काया। प्राथमिकता की फेहरिस्त में यह अव्वल स्थान पर हो। रोगी और अस्वस्थ शरीर आत्मोपलब्धी के मार्ग में बड़ी बाधा पैदा कर सकता है। हां, एक बार उपलब्ध होने के उपरांत शारीरिक दुर्बलता मायने नहीं रखती, क्योंकि तदोपरांत आप शरीर के तल से ऊपर उठकर आत्मा के तल पर जी रहे होते हैं। लेकिन इस भूमिका तक पहुंच पाने के लिए शारीरिक तप और श्रम चाहिए, जो दुर्बलता से संभव नहीं है। स्वस्थ शरीर संयम और समय दोनों मांगता है। भागमभाग भरी जिंदगी में ज्यादातर के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा। संभव होना मुश्किल भी नहीं है, बस प्राथमिकता में नहीं है! लोगों की दूसरी प्राथमिकता है वित्तीय सुरक्षा। यहां बड़ा भारी पेच है! इसकी पूर्ति कभी पूरी होती ही नहीं, और समय रीत जाता है। सौ वर्षों की आयु तक हद से हद कितने रुपयों की आवश्यकता हो सकती है, यह गणित लगानी है। यह उतना मुश्किल भी नहीं है! मोटा–मोटी इसकी आपूर्ति सुनिश्चित होने के उपरांत, मानव जीवन के अन्य बड़े उद्देश्यों में स्वयं को खपाना चाहिए। भक्ति, सेवा, साधना या आत्मोथान। कोई भी मार्ग, जिससे 'मैं' यानी अहंकार के गलने की प्रक्रिया प्रारंभ हो सके! बहुत छोटी–छोटी चीजों से आनंद और सुख की प्राप्ति हो जाती है। लेकिन, हमारी दृष्टि बड़ी चाहतों की आपूर्ति में लगी होने से छोटी खुशियों को लगभग नजरअंदाज कर देती हैं।

{ नीट का एक अवांछित दुष्प्रभाव कोचिंग उद्योग है, जो नीट–संबंधी हरेक घोटाले में हमेशा शामिल रहा। टेस्ट की प्रकृति और छात्रों की सीखने की अलग–अलग पृष्ठभूमि ने ही इस उद्योग को जन्म दिया। कोचिंग संस्थान दावा करते हैं कि एक औसत हाई स्कूल छात्र को नीट में बेहतर प्रदर्शन के लिए छठी–सातवीं कक्षा से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, जो उसके नीट परीक्षा देने से करीब सात साल पहले का समय है... }

मेडिकल शिक्षा में आमूल–चूल सुधार की जरूरत

पेपर लीक मामले के बाद नीट परीक्षा रद्द होने पर इसकी पारदर्शिता , मेडिकल शिक्षा के असमानतापूर्ण ढांचे व प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। जिनमें रट्टे व कोचिंग संस्कृति को बढ़ावा देना व केंद्रीकृत होना आदि प्रमुख हैं। समाधान है इसमें शामिल एनटीए , एनएमसी व मेडिकल कॉलेजों की जवाबदेही तय करना। भारत का मेडिकल शिक्षा क्षेत्र पूरी तरह से गड़बड़ाया हुआ है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने हाल ही में पेपर लीक होने के बाद राष्ट्रीय प्रवेश एवं योग्यता परीक्षा (नीट) को रद्द कर दिया, जिसका आयोजन उसने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए किया था। पिछले साल जुलाई में, सीबीआई ने बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार घोटाले का पर्दाफाश किया था, जिसमें कथित तौर पर कई मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य मंत्रालय के कई अधिकारी और नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के अधिकारी शामिल थे। ये घटनाएं संपूर्ण मेडिकल शिक्षा की शुचिता और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता पर इसके असर को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। इस क्षेत्र में आमूल–चूल बदलाव की जरूरत है, न कि सिर्फ छोटे–मोटे सुधारों की। भारत में डॉक्टर बनना मुश्किल प्रक्रिया है। छात्रों को मेडिकल सीट पाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। हाल के वर्षों में सीटों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है– फिलहाल 800 कॉलेजों में कुल 1,28,000 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं। सरकार की योजना के अनुसार, अगले तीन वर्षों में 50,000 और

अंडरग्रेजुएट और पोस्ट–ग्रेजुएट सीटें जोड़ी जाएंगी। फिर भी, प्रतिस्पर्धा काफी ज़्यादा है। रद्द किए गए पिछले नीट में लगभग 22 लाख बच्चों ने हिस्सा लिया था। चयन होने पर, छात्र को मेडिकल कॉलेज में साढ़े पांच वर्ष का प्रशिक्षण व उसके बाद एक और प्रवेश परीक्षा पास करने पर, रेजिडेंसी प्रोग्राम में तीन साल की विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। चूंकि मौजूदा व्यवस्था में एडमिशन के लिए नीट स्कोर ही एकमात्र मापदंड है, इसलिए इस परीक्षा की निष्पक्षता बहुत अहम है। मौजूदा गड़बड़ी के बाद चली बहस में ध्यान का केंद्र एनटीए और इस व्यवस्था की ईमानदारी सुनिश्चित करने पर है। सुझाए गए विभिन्न तकनीकी एवं भौतिक उपायों में कंप्यूटर–आधारित परीक्षा, 'जस्ट–इन–टाइम' एन्क्रिप्टेड प्रश्न पत्र जैसी सुरक्षा प्रणालियां, प्रश्न पत्रों के अनेक सेट और एआई–आधारित रैंडम प्रश्न चयन अपनाना शामिल हैं। साल 2024 में नीट घोटाले के बाद गठित राधाकृष्णन समिति ने भी परीक्षा को निष्पक्ष बनाने को कई सिफारिशें की थीं। ऐसे त्वरित तकनीकी समाधान और परीक्षा पत्रों की भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय शायद अल्पकाल के लिए मददगार साबित हो सकें। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया में बुनियादी ढांचागत बदलाव करने की जरूरत है। कई देशों में अपनाई जाने वाली समग्र मूल्यांकन प्रणाली के उलट भारत में मेडिकल ट्रेनिंग के सभी स्तरों पर प्रवेश मानकीकृत कर दी गई परीक्षा द्वारा तय किया जाता है। मेडिकल ट्रेनिंग के लिए स्कोर आधारित प्रवेश छात्रों की पात्रता का आकलन करने का सर्वोत्तम ढंग नहींय यह कई मायनों में असमान है। नीट को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के पाठ्यक्रम के साथ–साथ कुछ ऐसे विषयों के आधार पर तैयार किया गया है जो स्कूल के सिलेबस से बाहर के हैं। जो बच्चे राज्य बोर्ड के सिलेबस वाले गैर–सीबीएसई स्कूलों से आते हैं उन्हें स्वाभाविक रूप से नुकसान होता है। यहां तक कि सीबीएसई स्कूलों से आने वाले छात्र भी पूरी तरह तैयार नहीं होते, क्योंकि कुछ ऐसे विषय होते हैं जो स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल ही नहीं। इस अंतर को पूरा करने के लिए, दोनों श्रेणी के छात्रों को नीट के लिए किसी न किसी किस्म की तैयारी करनी पड़ती है। इसी वजह से कई अरब डॉलर का कोचिंग उद्योग खड़ा हो गया है। यह अनेक छात्रों के लिए एक और बड़ी बाधा है, क्योंकि हर कोई कोचिंग की ऊंची फीस नहीं दे सकता। यदि वे राज्य शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम वाले स्कूलों से आते हैं और गैर–अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से हैं, उनके लिए तो दोहरा नुकसान है। शुरुआत के लिए, प्रवेश प्रक्रिया विकेंद्रीकृत की जाना जरूरी है। अलग–अलग शिक्षा प्रणालियों और क्षेत्रीय असमानताओं वाले देश के लिए नीटजैसा 'एक साइज सबके लिए' वाला ढंग प्रभावी नहीं। इस किस्म की मानकीकृत मूल्यांकन परीक्षा में सीखने के अलग–अलग माहौल और छात्रों की पृष्ठभूमि को ध्यान में नहीं रखा गया। इसके अलावा, एक केंद्रीकृत प्रणाली में घोटालों, हेरफेर और पेपर लीक की गुंजाइश अधिक होती है, जैसा कि 2024 व 2026 में देखा गया। राज्यों को स्थानीय कारकों के आधार पर प्रवेश के लिए अपनी प्रक्रिया तय करने दें, वे जो भी प्रक्रिया चुनें, उसकी जवाबदेही और पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो। चाहे सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए हाई स्कूल के अंकों और प्रवेश परीक्षा स्कोर पर आधारित मिली–जुली प्रणाली हो, या निजी कॉलेजों के लिए अलग पात्रता परीक्षा हो सकती है। राज्यों के कॉलेजों में 'ऑल–इंडिया' कोटे के तहत एडमिशन के लिए अतिरिक्त मानदंड या टेस्ट हो सकते हैं। मेडिकल एडमिशन टेस्ट की प्रकृति में भी बदलाव जरूरी है। फिलहाल, नीट मूलतरू जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान वाले पाठ्यक्रम की रट्टा आधारित परीक्षा है। इसे चिकित्सा जैसे उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए तैयारी, योग्यता या शैक्षणिक क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए डिजाइन नहीं किया गया। जबकि छात्रों का मूल्यांकन अधिकांश उनकी आलोचनात्मक सोच–तर्कशक्ति, समस्या–समाधान कौशल के अलावा व्यावहारिक एवं सामाजिक विज्ञान की कांसेप्ट्स के आधार पर किया जाना चाहिए। पोस्ट–ग्रेजुएट सीटों के लिए भी सिर्फ प्राप्तांक आधारित प्रवेश परीक्षा होना अपर्याप्त है।

मानव सुथार ने **Test Debut** पर किया कमाल, 6 विकेट लेकर रचा इतिहास!

बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पहले टेस्ट मैच में ही छह विकेट लेकर अफगानिस्तान को 152 रनों पर ढेर कर दिया और सोमवार को खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन अफगानिस्तान को फॉलो–ऑन के लिए मजबूर कर दिया। राजस्थान के 23 वर्षीय ऑलराउंडर ने 22 ओवरों में 33 रन देकर 6 विकेट लिए और टेस्ट डेब्यू पर पांच विकेट लेने वाले भारत के 10वें गेंदबाज और सातवें स्पिनर बन गए।

सुथार की इस निर्णायक गेंदबाजी ने उन्हें रिकॉर्ड बुक में भी जगह दिलाई। टेस्ट डेब्यू पर भारतीय गेंदबाजों द्वारा लिए गए उनके ये आंकड़े 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नरेंद्र हिरवानी के यादगार 61 रन देकर 8 विकेट के बाद दूसरे सर्वश्रेष्ठ हैं। दिन की शुरुआत में 113 रन पर 5 विकेट के साथ, अफगानिस्तान को भारत के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने संघर्ष करना पड़ा। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने शुरुआती झटके देते हुए अजमतुल्लाह उमरजई को शून्य पर आउट किया, जिसके बाद सुथार ने पारी को अपने नियंत्रण में ले लिया।

बाएं हाथ के स्पिनर ने सुबह के सत्र में तीन विकेट लिए, पहले शरफुद्दीन अशरफ को 11 रन पर आउट किया और फिर अफगानिस्तान के शीर्ष स्कोरर रहमत शाह को पवेलियन भेजा, जिन्होंने 60 रन बनाने के लिए कड़ी मेहनत की थी। इसके बाद सुथार ने मोहम्मद सलीम सफी को एलबीडब्ल्यू आउट करके अपना पहला पांच विकेट लेने का कारनामा पूरा किया और फिर एक और विकेट लेकर कुल छह विकेट लिए।

अफगानिस्तान की पारी 58.4 ओवरों में ही समाप्त हो गई, जिससे भारत को पहली पारी में 412 रनों की मजबूत बढ़त मिल गई। मेजबान टीम ने तुरंत फॉलो–ऑन लागू कर दिया। मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक टीम के सदस्यों ने सुथार के शानदार प्रदर्शन के बाद ड्रेसिंग रूम में लौटते समय उनकी सराहना की। सुथार का उदय घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर आधारित है। राजस्थान के इस क्रिकेटर ने 29 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 25.76 की औसत से 129 विकेट लिए हैं और 25.65 की औसत से 1,026 रन भी बनाए हैं।

रोहित शर्मा का श्रेयस अय्यर को समर्थन, कहा– अब टी20 कप्तान का अच्छा वक्त शुरू होगा

बल्लेबाजी के दिग्गज रोहित शर्मा ने नव नियुक्त भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर को उनकी नई भूमिका में सफल होने का समर्थन दिया है और टी20 मुंबई लीग को क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी को निखारने का एक महत्वपूर्ण मंच बताया है। रोहित की ये टिप्पणियां उस रात आईं जब वानखेड़े स्टेडियम में 21,708 प्रशंसक सोबो मुंबई फाल्कन्स और ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट के बीच नुवामा प्राइवेट टी20 मुंबई लीग 2026 के स्टार–स्टडेड मुकाबले को देखने के लिए खचाखच भरे हुए थे, जिसमें अय्यर और सूर्यकुमार यादव भी शामिल थे। अय्यर ने भारत के टी20 कप्तान के रूप में अपनी हालिया नियुक्ति को 36 गेंदों पर 61 रनों की मैच–विनिंग पारी के साथ यादगार बनाया और फाल्कन्स को पांच विकेट से जीत दिलाई।

लीग के चेहरे रोहित शर्मा ने कहा कि मुंबई क्रिकेट का चुनौतीपूर्ण माहौल खिलाड़ियों को उच्चतम स्तर पर नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि मुंबई में खेलने से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। और अगर आप भारत या मुंबई की कप्तानी कर चुके किसी भी कप्तान से पूछेंगे, तो वे भी यही कहेंगे। क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। उन्होंने आगे कहा कि आपको इसे वास्तव में कमाना पड़ता है। इसलिए, कप्तानी भी ऐसी चीज है जिसे आपको कमाना पड़ता है और अपने आस–पास के लोगों का सम्मान अर्जित करना पड़ता है। और यह वह चीज है जो इन सभी खिलाड़ियों में है। विश्व कप विजेता भारतीय कप्तान ने मुंबई के उन क्रिकेटरों के सफर का जिक्र किया जिन्होंने राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व किया है, और सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर को दृढ़ता और नेतृत्व के उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि आपने सूर्यकुमार यादव को देखा है जिन्होंने भारत को विश्व कप फाइनल तक पहुंचाया। देखिए, अगर मैं गलत नहीं हूं तो उन्होंने 31 साल की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था। इसका मतलब है कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वह हमेशा मुकाबले में बने रहना चाहते थे। और जब मौका आया, तो उन्होंने उसे दोनों हाथों से थाम लिया। और उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने कहा कि अब श्रेयस को टी20 कप्तान घोषित कर दिया गया है। और मुझे पूरा यकीन है कि पिछले कुछ वर्षों में मुंबई में अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से उन्होंने कप्तानी की है, उसे देखते हुए, उनका समय भी अच्छा बीतेगा।

लंबे इंतजार के बाद ट्राफी पर पीवी सिंधू की नजर, खिताब जीतने का सुनहरा मौका

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं। पूर्व विश्व चौंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है।

सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड–ऑफ–16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से–यंग से हार का सामना करना पड़ा था। अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है।

महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन–चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा। अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चौंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा।

पुरुष एकल में विश्व के 20वें नंबर के खिलाड़ी और यहांछठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच क्वालीफायर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबा से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे। पुरुष युगल में इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन को पहले दौर में चीनी ताइपे के ली फांग–चिह और ली फांग–जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अच्युतादित्य राव डोड्डावारापू और पोचना अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू यांग से होगा। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी भाग नहीं ले रही है। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो कीछठी वरीयता प्राप्त जोड़ी हांगकांग के चान यिन चक और एनजी त्स यौ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

दबाव मत डालो, वो सिर्फ 15 का है..., सौरव गांगुली ने वैभव सूर्यवंशी के लिए माँगा समय

भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने प्रशंसकों और

विशेषज्ञों से अपील की है कि वे 15 वर्षीय प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को राष्ट्रीय टीम में उनके ऐतिहासिक चयन के बाद विकसित होने के लिए समय और स्थान दें। 6 जून को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी यूरोपीय दौरे के लिए सूर्यवंशी को टीम में शामिल किए जाने की घोषणा की, जिससे वह भारतीय पुरुष टीम के लिए चुने जाने वाले अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। इस चयन ने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया, क्योंकि तेंदुलकर ने 1989 में 16 साल की उम्र में क्रिकेट में पदार्पण किया था। 7 जून को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में कबुनी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गांगुली ने किशोर खिलाड़ी पर बढ़ते ध्यान को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही उन्हें स्वाभाविक रूप से विकसित होने देने के महत्व पर जोर दिया। कबुनी और मी बिज टीम द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में गांगुली ने कहा कि हमें उन्हें उनके हाल पर छोड़ देना चाहिए, वे अभी केवल 15 साल के हैं। मुझे नहीं लगता कि वे दबाव के बारे में ज्यादा सोचेंगे। हमने उन्हें आईपीएल में खेलते देखा है, लेकिन भारत के लिए खेलने का दबाव अलग होता है।

राजस्थान रॉयल्स के साथ 2026 के शानदार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन के बाद सूर्यवंशी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जगह मिली। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए, 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। उन्होंने सीजन के दौरान 72 छक्के लगाकर एक रिकॉर्ड भी बनाया, कई आईपीएल रिकॉर्ड तोड़े और भारतीय क्रिकेट के सबसे होनहार युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई।

मूल रूप से बिहार के रहने वाले सूर्यवंशी ने आईपीएल के समापन समारोह के पुरस्कारों में अपना दबदबा कायम किया और मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर, ऑरेंज कैप और सुपर सिक्स ऑफ द सीजन जैसे पुरस्कार जीते। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए विश्व के कुछ शीर्ष गेंदबाजों को लगातार चुनौती दी और पूरे अभियान के दौरान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत के आगामी कार्यक्रम में 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और उसके बाद 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला शामिल है।

इजराइल और ईरान वॉर का सायाः भारतीय दूतावास का बड़ा अलर्ट, तुरंत ईरान छोड़ें

पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति में तीव्र और तेजी से हो रही गिरावट के बीच, तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को एक नई, उच्च प्राथमिकता वाली यात्रा सलाह जारी की है, जिसमें सभी भारतीय नागरिकों से ईरान की यात्रा से पूरी तरह बचने का आग्रह किया गया है और देश में मौजूद लोगों को तत्काल देश छोड़ने की सलाह दी गई है। यह आपातकालीन सूचना पिछले 24 घंटों में हुई प्रमुख सैन्य झड़पों के बाद आई है, जिनमें कई शहरों में सैन्य झड़पें, रणनीतिक ठिकानों पर हवाई हमले और पूरे क्षेत्र में भारी गोलाबारी शामिल हैं। क्षेत्र में हुए नवीनतम घटनाक्रमों को देखते हुए, दूतावास सभी भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की अपनी पूर्व सलाह को दोहराता है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को कहा कि ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी उपलब्ध परिवहन साधनों से देश छोड़ने की सलाह दी जाती है। पश्चिम एशिया में तनाव में तीव्र वृद्धि का संकेत देते हुए, इजराइल और ईरान ने सोमवार को, युद्ध के 100वें दिन, एक–दूसरे पर गोलीबारी की, जिससे पहले से ही नाजुक युद्धविराम गंभीर खतरे में पड़ गया और क्षेत्रीय युद्ध के फिर से भड़कने का खतरा पैदा हो गया।

यरूशलेम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा व्यवस्था को और जटिल बनाते हुए, ईरान समर्थित हौथियों ने घोषणा की कि वे लाल सागर, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, पर इजराइली जहाजों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। ईरान के एक पेट्रोकेमिकल परिसर पर हमले और ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा दो इजराइली ठिकानों को निशाना बनाने सहित सैन्य कार्रवाई के इस नवीनतम दौर की घटनाएँ राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा इजराइल से तेहरान की मिसाइलों का जवाबी कार्रवाई न करने का आह्वान करने के कुछ घंटों बाद हुईं।

रविवार को इजराइल द्वारा बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हवाई हमले शुरू करने के बाद सीमा पार युद्धविराम की बुनियादी संरचना में आई दरार और बढ़ गई, जिसके जवाब में ईरान ने भी हमला किया। पहले इजराइल पर, फिर सोमवार के हमलों और जवाबी हमलों पर। शत्रुता के इस अचानक पुनरू भड़कने से युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के राजनयिक प्रयासों पर एक अशुभ छाया पड़ गई है, जो मूल रूप से 28 फरवरी को शुरू हुआ था। सैन्य तनाव में इस वृद्धि से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तेहरान के साथ एक व्यापक परमाणु समझौते पर बातचीत करके युद्ध से बाहर निकलने के अंतिम प्रयास बुरी तरह प्रभावित होने का खतरा है। तीव्र सैन्य तनाव ट्रम्प के लिए एक सीधी चुनौती है, जो इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर अधिकतम सैन्य संयम बरतने के लिए सक्रिय रूप से दबाव डाल रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि वे सभी निर्णय लेते हैं और उन्होंने चल रही अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता पर अपने सर्वोच्च अधिकार की पुष्टि की।

7 साल बाद उत्तर कोरिया पहुंचे, दुनिया में बढ़ी हलचल... क्या बदलेगा एशिया का पावर गेम?

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग–उन से बातचीत करने के लिए प्योंगयांग पहुंचे। चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि दोनों नेता पड़ोसी देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता की पुष्टि करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने का संकल्प लेंगे। शी जिनपिंग का यह दौरा प्योंगयांग और मॉस्को के बीच बढ़ते सैन्य संबंधों के बीच हो रहा है। उत्तर कोरिया और रूस ने 2024 में पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान एक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। चीनी राष्ट्रपति का उत्तर कोरिया दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बीजिंग यात्रा और उसके बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चीनी राजधानी की यात्रा के बाद हो रहा है। यह ऐसे समय में भी हो रहा है जब चीन जापान पर ष्नए सैन्यवादष की नीति अपनाने का आरोप लगा रहा है, जिसे टोक्यो ने खारिज कर दिया है।

शिन्हुआ के अनुसार, उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन, जो कोरिया वर्कर्स पार्टी के महासचिव और डीपीआरके के राज्य मामलों के अध्यक्ष हैं, और उनकी पत्नी री सोल जू ने आज हवाई अड्डे पर शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का स्वागत किया। हवाई सीढ़ी से उतरने के बाद, शी जिनपिंग और किम ने हाथ मिलाया। शी जिनपिंग किम जोंग–उन के

निमंत्रण पर दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। इस यात्रा को किम की उस यात्रा का प्रतिउत्तर माना जा रहा है, जो सितंबर 2025 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सैन्य परेड में भाग लेने के लिए बीजिंग में थीं। उस कार्यक्रम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी उपस्थित थे। इस बीच, शी जिनपिंग और उनकी पत्नी के साथ उत्तर कोरिया की यात्रा पर पेंग लियुआन, कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के जनरल कार्यालय के निदेशक काई क्यूई और विदेश मंत्री वांग यी भी हैं।

उत्तर कोरियाई नेताओं के साथ आज होने वाली अपनी बैठक से पहले, उत्तर कोरिया के आधिकारिक समाचार पत्र रोडोंग सिनमुन में प्रकाशित एक लेख में शी जिनपिंग ने कहा कि वर्तमान में, चीन और उत्तर कोरिया के बीच संबंध एक नए ऐतिहासिक मोड़ पर हैं, जहां विकास के नए अवसर मौजूद हैं और समय की नई चुनौतियां हैं। शी जिनपिंग, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के महासचिव हैं, ने कहा कि ष्चीन उत्तर कोरिया के साथ मिलकर द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक परिप्रेक्ष्य से आगे बढ़ाने, समय के साथ तालमेल बनाए रखने और संबंधों के और अधिक विकास को प्राप्त करने के लिए तत्पर है।

उत्तर कोरिया का आधिकारिक नाम डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) है। शी जिनपिंग ने लिखा, ष्दोनों पक्षों को रणनीतिक संचार को गहरा करना चाहिए और चीन–डीपीआरके संबंधों को दृढ़ता से सही दिशा में ले जाना चाहिए। इस वर्ष चीन–उत्तर कोरिया मैत्री, सहयोग और पारस्परिक सहायता संधि की 65वीं वर्षगांठ भी है।

ईंधन की महंगाई ने बदला ग्राहकों का मिजाज! वैकल्पिक और ईवी वाहनों की मांग में भारी उछाल

देश में ईंधन की बढ़ती कीमतों ने भारतीय ऑटोमोबाइल उपभोक्ताओं की सोच और प्राथमिकताओं को पूरी तरह से बदल दिया है। ईंधन की महंगाई के दबाव में अब लोग पारंपरिक वाहनों के बजाय ईंधन–किफायती और वैकल्पिक पावरट्रेन वाहनों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। ऑटोमोबाइल डीलरों के शीर्ष संगठन 'फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन्स' द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्ट में इस बड़े बदलाव की पुष्टि की गई है। दिलचस्प बात यह है कि ईंधन की ऊंची कीमतों, भीषण लू और पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) के भू–राजनीतिक संकट जैसी चुनौतियों के बावजूद मई 2026 में देश में मोटर वाहनों की कुल खुदरा बिक्री में ऐतिहासिक 9.55 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है।

फाडा के अनुसार, देश में मोटर वाहनों की कुल खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर 9.55 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,31,067 इकाई रही। फाडा के अनुसार, '' मई में ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बाद उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रही। डीलरों ने ईंधन–किफायती और वैकल्पिक पावरट्रेन विकल्पों के बारे में जानकारी हासिल करने के मामलों में वृद्धि की सूचना दी जिसका असर दोपहिया ईवी हिस्सेदारी के 6.11 प्रतिशत से बढ़कर 9.25 प्रतिशत होने में दिखा।'' उद्योग निकाय के अनुसार, जून से अगस्त की अवधि के लिए डीलरों का भरोसा मजबूत दिख रहा है, जहां 59.07 प्रतिशत डीलर अब वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। यह मध्यम अवधि की मांग को लेकर बढ़ते विश्वास का संकेत है, खासकर जब मानसून आगे बढ़ रहा है। यह रुझान दर्शाता है कि खरीफ बुवाई के साथ ग्रामीण आय बढ़ने पर मौसमी सुस्ती खत्म और मांग तेज हो सकती है। फाडा ने कहा कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी, लू की स्थिति और पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद मई में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री 9.55 प्रतिशत बढ़कर 25,31,067 इकाई हो गई जो पिछले साल इसी महीने 23,10,451 इकाई थी। मई में तिपहिया, यात्री वाहन और ट्रैक्टर श्रेणियों में अब तक की सर्वाधिक खुदरा बिक्री दर्ज की गई जबकि आम तौर पर इस महीने बिक्री कमजोर रहती है।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर एसपी सख्त, खुद संभाली कमान सेंटरों का औचक निरीक्षण कर दिए कड़े निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक

पुलिस सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए बहराइच पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। सोमवार (8 जून) को परीक्षा के पहले दिन पुलिस अधीक्षक (SP) विश्वजीत श्रीवास्तव ने खुद कमान संभालते हुए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्रों पर सुरक्षा और सीसीटीवी कैमरों की हुई पड़ताल घ्पसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने जनपद के प्रमुख परीक्षा केंद्रों, जिनमें महाराज सिंह इंटर कॉलेज और महिला विद्यालय शामिल हैं, का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया और सघन चेकिंग व्यवस्था को देखा। परीक्षा कक्षों और स्ट्रांग रूम की सुरक्षा जांची। कंट्रोल रूम में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने केंद्र व्यवस्थापकों और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पवित्रता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि, साल्वर गैंग या नकल माफियाओं पर सतत और पैनी निगरानी रखी जाए। आपको बता दें कि यह लिखित परीक्षा 8, 9 और 10 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है। परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके साथ ही यूपी–112 की पीआरवी गाड़ियां लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि अभ्यर्थियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो और परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

6 महीने से बाधित वैनी ग्राम सभा का मुख्य मार्ग हुआ सुगमः ग्रामीणों ने विधायक और निशंक त्रिपाठी का जताया आभार, जल निकासी के लिए उठाई मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। पिछले छह महीनों से बदहाली और आवागमन की गंभीर समस्या से जूझ रहे ग्राम सभा वैनी के मुख्य मार्ग की सूरत आखिरकार बदल गई है। ग्रामीणों की पुरजोर मांग और जनप्रतिनिधियों के त्वरित एक्शन के बाद गांव के मुख्य रास्ते पर शानदार इंटरलॉकिंग का कार्य पूरा हो चुका है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। वादे के मुताबिक तय समय में पूरा हुआ काम ग्रामीणों ने बताया कि इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद, क्षेत्रीय विधायक और विधानसभा संयोजक निशंक त्रिपाठी ने इसे गंभीरता से लिया था। जब हमने इस समस्या को लेकर बड़े भैया निशंक त्रिपाठी से मुलाकात की थी, तो उन्होंने मात्र 3 महीने के भीतर काम कराने का वादा किया था। खुशी की बात यह है कि उन्होंने तय समय सीमा के भीतर ही इंटरलॉकिंग लगवाकर आवागमन को बेहद सुगम और सुलभ बना दिया।इस त्वरित और सराहनीय कार्य के लिए पूरे ग्रामवासियों ने विधायक और निशंक त्रिपाठी का हृदय से आभार व्यक्त किया है। सड़क बनने से पूरे गांव में हर्ष और उल्लास का माहौल है। लेकिन अधूरी नाली से गहराया श्उजाड़श् का खतरा एक तरफ जहाँ सड़क बनने से ग्रामीण बेहद खुश हैं, वहीं दूसरी तरफ जल निकासी (नाली) की समस्या अभी भी जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि इंटरलॉकिंग के साथ–साथ करीब 20–25 मीटर टूटी हुई नाली का निर्माण भी होना तय हुआ था, जिसका काम अभी तक शुरू नहीं हो सका है। जलभराव का डर यदि नाली का निर्माण जल्द नहीं हुआ, तो घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर भरेगा सड़क खराब होने की आशंका जलभराव के कारण यह शानदार इंटरलॉकिंग सड़क बहुत जल्द दोबारा टूट सकती है और गांव वापस पुरानी बदहाली में लौट सकता है। ग्रामवासियों ने विधायक और बड़े भैया निशंक त्रिपाठी से

सविनय निवेदन किया है कि वादे के मुताबिक इस 20–25 मीटर टूटी नाली का निर्माण भी जल्द से जल्द शुरू कराया जाए।

ग्रामीणों को पूरी उम्मीद है कि सड़क की तरह ही इस जल निकासी की समस्या का भी त्वरित समाधान होगा और गांव को एक और खुशी का मौका मिलेगा।

शपथ ग्रहण के दिन से ही शुरू हुई काम रोकने की साजिश' - पयागपुर में रिपोर्ट कार्ड पेश कर बरसे पूर्व विधायक

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। नगर पंचायत पयागपुर के अध्यक्ष विपिन उर्फ बालेंद्र श्रीवास्तव के आवास पर आयोजित एक भव्य समारोह में

पिछले तीन वर्षों बनाम डेढ़ वर्ष की विकास प्रगति का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव ने वर्तमान भाजपा विधायक पर विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि नगर पंचायत अध्यक्ष विपिन उर्फ बालेंद्र श्रीवास्तव के चुनाव जीतने और शपथ ग्रहण करने के साथ ही उनके खिलाफ राजनीतिक साजिशों का दौर शुरू हो गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ सभासदों को अलग से तहसील परिसर में शपथ दिलाकर नगर पंचायत के विकास कार्यों को प्रभावित करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत बोर्ड की पहली बैठक में सर्वसम्मति से क्षेत्र के विकास के लिए 185 प्रस्ताव पारित किए गए थे, लेकिन दुर्भावनापूर्ण राजनीति के चलते इन कार्यों को रोकने का प्रयास किया गया। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत के लिए स्वीकृत कल्याण मंडप का बजट राजनीतिक कारणों से वापस चला गया। वहीं मसूदपुर चौराहा से बारी पुरवा चौराहा तक सड़क निर्माण कार्य भी विभिन्न अड़चनों के कारण एक वर्ष तक प्रभावित रहा। मुकेश श्रीवास्तव ने कहा कि तमाम बाधाओं के बावजूद विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास जारी रखा गया और जनता के हितों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष विपिन उर्फ बालेंद्र श्रीवास्तव ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि राजनीतिक विरोध और प्रशासनिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने जनता से किए गए वादों को पूरा करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक मूल्यांकन जनता स्वयं कर सकती है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम में नगर पंचायत के सभी सभासद, स्थानीय गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

ज्ञापन देने को लेकर सपा नेता संजय विद्यार्थी किए गए हाउस अरेस्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में आ रहे मुख्यमंत्री को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बेरोजगारी, खाद की किल्लत डीजल पेट्रोल की बेतहाशा

महंगाई, पेपर लीक प्रदेश में पीडीए समाज पर हो रहे अत्याचार उत्पीडन परीक्षा सेंटर दूर दूर जिलों में भेजने आदि मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के क्रम में सपा के राष्ट्रीय सचिव निर्वतमान प्रत्याशी गौरा विधानसभा संजय विद्यार्थी को उनके आवास पर बड़ी संख्या में फोर्स लगाकर हाउस अरेस्ट किया गया। संजय विद्यार्थी ने कहा कि वर्तमान सरकार इन मुद्दों पर पूरी तरह फेल है। आज किसानों को खाद नहीं मिल रही है,डीजल पेट्रोल की महंगाई से रोजमर्रा की जरूरत के सामान सब महंगे हो गए हैं किसान हैरान परेशान लाचार है। पेपर लीक से नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। जो परीक्षाएं इस समय चुनाव को ध्यान में रखकर सरकार करा रही है उसका सेंटर दूर दूर जिलों में भेजकर छात्रों का शोषण करने का काम कर रही है। समाजवादी सरकार में ही दवाई पढाई सस्ती होगी किसान खुशहाल होंगे नौजवानों को समय से नौकरी मिलेगी, विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम चौधरी ने भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई चरम पर है। जिला उपाध्यक्ष जीतू निषाद, जिला सचिव मोहनलाल यादव, विधानसभा अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग शिवकुमार प्रजापति, नरेन्द्र यादव, संजय कनौजिया, पवन यादव, शाहिद हुसैन, हर्ष चौधरी, वसंत लाल यादव, दिलीप वर्मा, मोहम्मद इस्लाम, गणेश निषाद, अखिलेश गुप्ता, जोखुलाल गौतम, नीरज पाठक, बृजलाल यादव, सर्वेश साहू, राकेश यादव, सुनील शर्मा, जी इन्द्रजीत यादव, मुकेश जायसवाल, सालिक भारती, सतीश यादव, लालजी आर्या, शिवशंकर मौर्या, विजय बहादुर पाण्डेय, चन्दन यादव, शिवशंकर गुप्ता, जमाई खान, मनोज यादव, मनोज शर्मा, कर्म हुसैन, कुलदीप यादव, हरि प्रसाद, आरिफ अहमद, विकास वर्मा, दिलशाद अहमद, मोनू ठाकुर, अजहर हुसैन, मुलायम यादव, अनिल गौतम, फुल चन्द जलवंशी, उमेश जायसवाल, मोहित यादव, सिराज इदरीशी बड़ी संख्या कार्यकर्ता उपस्थिति रहें।

तेजवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय ने सपरिवार किया रुद्राभिषेक, क्षेत्रकी खुशहाली के लिए की प्रार्थना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। तेजवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय ने सोमवार को सपरिवार क्षेत्र

की सुख–समृद्धि और शांति के लिए धार्मिक अनुष्ठान किया। उन्होंने बौंडी क्षेत्र के राजा रेहुआ स्थित सुप्रसिद्ध सागर नाथ बाबा मंदिर में विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। ध्धार्मिक अनुष्ठान के दौरान विद्वान पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार किया गया, जिसकी गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। रमाकर पांडेय ने भगवान भोलेनाथ से तेजवापुर ब्लॉक सहित पूरे जिले की सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। मुख्य पूजा और महाआरती संपन्न होने के बाद मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया। घ्इस धार्मिक आयोजन के अवसर पर मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख ममता अवस्थी और हर्षित अवस्थी उपस्थित रहे। इनके अलावा क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, समाज सेवी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी इस पावन अनुष्ठान का हिस्सा बने और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

बहराइच में बड़ा प्रशासनिक फेरबदलः 8 एडीओ पंचायतों के तबादले, कई को मिला अतिरिक्त प्रभार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में ग्रामीण विकास कार्यों और पंचायती राज व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के अनुमोदन के बाद जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) चन्द्रभान सिंह ने जनपद के 8 सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। साथ ही कई अधिकारियों को अतिरिक्त ब्लॉकों का कार्यभार भी सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार तेजनरायन राव को पयागपुर से स्थानांतरित कर विशेश्वरगंज में तैनात किया गया है। राजेश चौधरी को बलहा से तेजवापुर भेजते हुए महसी ब्लॉक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। विकास अवस्थी को नवाबगंज से स्थानांतरित कर पयागपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार अशफाक

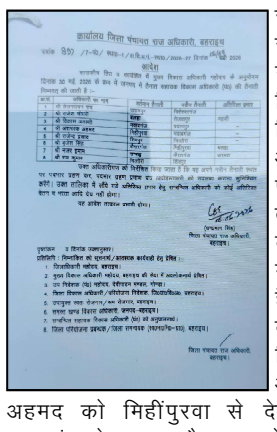

अहमद को मिहींपुरवा से नवाबगंज भेजा गया है तथा उन्हें बलहा ब्लॉक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। राजेन्द्र प्रसाद को शिवपुर से चित्तौरा, जबकि बृजेश सिंह को कैसरगंज से मिहींपुरवा स्थानांतरित किया गया है। सम्बद्ध चल रहे नजर इमाम को कैसरगंज का नया एडीओ पंचायत नियुक्त करते हुए जरवल ब्लॉक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। वहीं राम कुमार को चित्तौरा से स्थानांतरित कर शिवपुर भेजा गया है। डीपीआरओ चन्द्रभान सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी तत्काल अपने नए तैनाती स्थल पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करें तथा इसकी सूचना कार्यालय को उपलब्ध कराएं। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि अतिरिक्त प्रभार संभालने वाले अधिकारियों को इसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त वेतन अथवा भत्ता देय नहीं होगा। इस प्रशासनिक फेरबदल की प्रतिलिपि जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उप निदेशक पंचायत देवीपाटन मंडल सहित सभी संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। माना जा रहा है कि इस बदलाव से ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विकास योजनाओं और पंचायती राज विभाग के कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

सम्पूर्ण समाधान मनकापुर में 169 शिकायतों में से 15 का मौके पर ही किया गया निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के मनकापुर तहसील में शासन की मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का एक ही स्थल पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से जनपद के समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिसमें तहसील मनकापुर में डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन,एसपी विनीत जायसवाल तथा मुख्य विकास अधिकारी दयानन्द प्रसाद ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों का त्वरित एवं समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित किया गया।जनसुनवाई के दौरान तहसील मनकापुर में कुल 169 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिसमें 15 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया है शेष प्रार्थना पत्रों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुये आख्या तहसील में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।सम्पूर्ण समाधान दिवस के

दौरान डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने निर्देश दिए हैं कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित किया जाय,टीम द्वारा शिकायत का मौके पर स्थलीय जांचकर पूरी गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाय। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण तथा चकमार्ग के मामले में संयुक्त रूप से राजस्व एवं पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें।उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब जमीन की पैमाइश, अवैध कब्जा, चकरोड,नाली, अवैध अतिक्रमण आदि को पुलिस फोर्स के साथ हटवाने का कार्य करें। शिकायतकर्ताओं को मौके पर बुलाएं। उसके आने पर लिखित रूप से उल्लेख करें और निस्तारण के प्रकरण का फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी भी करना सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर पूरी गुणवत्ता के साथ करें अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।संपूर्ण समाधान दिवस के अंत में जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी संबंधित विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित करें।संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायतकर्ता अरुण कुमार पाठक निवासी गढ़ी विद्यानगर मोतीगंज ने अवगत कराया कि ग्राम सभा की गाटा संख्या 150 खलिहान की सुरक्षित भूमि है जिस पर गांव के ही सुरेश तिवारी व अन्य के द्वारा अवैध रूप से कब्जा करके व्यावसायिक कार्य किया जा रहा है जिसे संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार सुभद्रा प्रसाद को निर्देश दिए हैं की मौके का स्थलीय जांच करके नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संतलाल, उपजिलाधिकारी मनकापुर अवनीश त्रिपाठी, प्रभारी तहसीलदार सुभद्रा प्रसाद, परियोजना निदेशक डीआरडीए सुशील कुमार पांडेय,जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे,जिला पूर्ति अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, तथा अन्य विभागों के अधिकारीगण सहित अन्य सभी जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बड़ी राहतः आज से संजय सेतु पर छोटे वाहनों का आवागमन शुरू

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से इंतजार कर रहे लोगों को आखिरकार राहत मिल गई है। आज सुबह 9रू30 बजे से संजय सेतु पर छोटे वाहनों का आवागमन शुरू कर दिया गया है।संजय सेतु के खुलने से अब दोपहिया, तीनपहिया और अन्य छोटे वाहनों के चालकों को काफी सुविधा मिलेगी। इससे आसपास के मार्गों पर पड़ने वाला ट्रैफिक दबाव कम होगा और लोगों का सफर पहले की तुलना में अधिक सुगम एवं तेज हो सकेगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर आवागमन शुरू होने से रोजाना आने–जाने वाले हजारों यात्रियों, व्यापारियों और छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा। अब उन्हें लंबा चक्कर लगाने या जाम की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा।प्रशासन की इस पहल से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। पुल पर छोटे वाहनों का संचालन शुरू होने के साथ ही लोगों में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। संजय सेतु पर छोटे वाहनों के आवागमन की शुरुआत से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली है और अब सफर पहले से अधिक आसान, सुरक्षित और तेज होगा।

पचपेड़वा में धड़ल्ले से सरकारी भूमि से हो रहा है अवैध मिट्टी खनन,

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पचपेड़वा,नगर पंचायत सीमा क्षेत्र में बरगदवा सैफ के पास सरकारी भूमि से अवैध मिट्टी खनन धड़ल्ले से हो रहा है। अवैध मिट्टी खनन पर रोक लगाने के प्रशासनिक दावों के बावजूद खनन का खेल थमता नजर नहीं आ रहा है। लोगो का कहना है कि लेखपाल और हल्का सिपाही के मिली भगत से बिना अनुमति मिट्टी खनन किया जाता है। आरोप है कि खनन माफिया जेसीबी और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों के माध्यम से बड़े पैमाने पर मिट्टी निकालकर दूसरे स्थानों पर पहुंचा रहे हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना किसी वैध अनुमति के यह कार्य लंबे समय से जारी है, जिससे सरकारी भूमि गड्ढे में तब्दील हो गई है। सरकारी भूमि का स्वरूप भी बिगड़ता जा रहा है।क्षेत्र में चर्चा है कि कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। नगर पंचायत पचपेड़वा क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन की गतिविधियां संचालित हो रही हैं, जिससे सरकार को राजस्व की हानि भी हो रही है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बलरामपुर खनन विभाग के अधिकारी ने कहा कि बिना अनुमति मिट्टी खनन पूरी तरह अवैध है और शिकायत मिलने पर जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लग पाता है या नहीं।

वंदन योजना के प्रस्तावों की हुई समीक्षा बैठक, ऑडिटोरियम एवं स्मार्ट रोड निर्माण पर जोर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

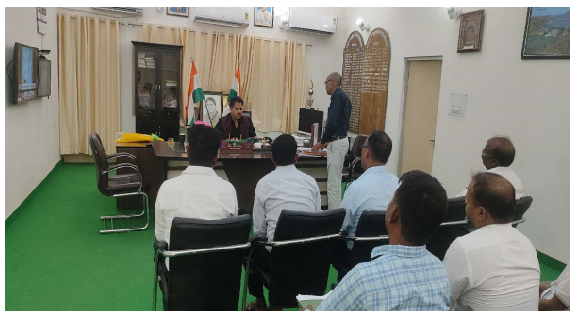

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में नगरीय निकायों में संचालित 'वंदन' योजना के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), विभिन्न नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, अवर अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), सूचना विभाग एवं पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नगर पंचायत घोरावल, दुद्धी, पिपरी, रेनुकूट एवं चुर्क–घुर्मा द्वारा विभिन्न धार्मिक एवं सांस्:तिक स्थलों के विकास से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। बैठक में विभिन्न मंदिरों एवं पौराणिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु यात्री शेड, हाल, संपर्क मार्ग एवं अन्य अवस्थापना सुविधाओं के निर्माण संबंधी प्रस्तावों पर विचार–विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि चयनित ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ–साथ शासनादेश के अनुरूप सौंदर्यीकरण कार्य भी अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने वास्तुविदों से परामर्श लेकर तीन दिवस के भीतर और

अधिक प्रभावी एवं आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर सीएसआर, विधायक निधि एवं अन्य मदों से धनराशि उपलब्ध कराने हेतु प्रयास करने को कहा। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को नगर पालिका परिषद सोनभद्र क्षेत्र में एक आधुनिक ऑडिटोरियम तथा स्मार्ट रोड के निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि एवं सड़क का चयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं एवं जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे विकासात्मक कार्यों की कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे नगर क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हो सके और नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

नगरीय निकायों में सुनी गयी जनसमस्या किया निस्तारण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा

उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में –08 जून 2026 सोमवार को राज कुमार राज अवर अभियन्ता नगर पालिका परिषद सोनभद, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 1, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 5, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 4, नगर पंचायत पिपरी में 4, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों में कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। राज कुमार राज अवर अभियन्ता नगर पालिका परिषद सोनभद, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

पारदर्शी परीक्षा को लेकर डीएम सख्त, केंद्र का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा के सफल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों, स्ट्रांग रूम, कंट्रोल रूम तथा विभिन्न परीक्षा कक्षों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों को सुरक्षा, निगरानी और गोपनीयता संबंधी सभी व्यवस्थाएं सु.ढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि भर्ती परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने तथा परीक्षा अवधि में सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि अभ्यर्थियों को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में परीक्षा देने का अवसर मिल सके। प्रशासन द्वारा परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

आई0जी0आर0एस0 शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर डीएम सख्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार स्थित जनसुनवाई कक्ष में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि अनेक प्रकरणों में शिकायतकर्ता की संतुष्टि प्राप्त किए बिना ही आख्या अपलोड कर संदर्भों का निस्तारण कर दिया गया है, जिसके कारण असंतुष्ट फीडबैक की संख्या लगातार बढ़ रही है। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि शासन एवं मंडल स्तर से समय–समय पर जारी निर्देशों के बावजूद शिकायतों के निस्तारण में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतकर्ता से संवाद स्थापित कर उसकी संतुष्टि सुनिश्चित करने की व्यवस्था पहले से उपलब्ध है, इसके बावजूद उसका अनुपालन न किया जाना अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगाता है। परिणामस्वरूप असंतुष्ट फीडबैक में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है, जो शासन की मंशा के विपरीत है तथा पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही का द्योतक है। उक्त स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण), सोनभद्र के अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता सहित समस्त स्टाफ के माह जून–2026 के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेश तक रोक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि असंतुष्ट फीडबैक में कमी नहीं आती है तो उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई, यहां तक कि निलंबन की संस्तुति भी की जाएगी। समीक्षा बैठक में तहसील दूधी के अंतर्गत शिकायतों के निस्तारण में भी लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार दूधी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही अथवा औपचारिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का डीएम–एसपी ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर, 08 जून। आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों

पर सीधी भर्ती परीक्षा–2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।अधिकारियों ने प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान मुस्लिम इंटर कॉलेज महदेइया तथा जवाहरलाल नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्रों का जायजा लेकर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधाओं तथा परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने कहा कि भर्ती परीक्षा की शुचिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष शिविर, डीएम ने दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर, 08 जून। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे "12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के" अभियान के तहत जनपद के सभी विकास खंडों में श्रम विभाग द्वारा विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य श्रमिक पंजीकरण बढ़ाना तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना है।

इसी क्रम में विकास खंड बर्डपुर के सभागार में आयोजित विशेष शिविर में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने प्रतिभाग किया। उन्होंने सहायक श्रम आयुक्त को निर्देशित किया कि पात्र श्रमिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर उनका श्रमिक पंजीकरण सुनिश्चित कराया जाए।जिलाधिकारी ने

कहा कि जनपद के सभी ब्लॉकों में इस प्रकार के शिविर लगाकर अधिक से अधिक श्रमिकों को विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने ईंट–भट्ठों पर कार्य करने वाले मजदूरों का भी श्रमिक पंजीकरण कराने पर विशेष जोर दिया।सहायक श्रम आयुक्त ओम प्रकाश ने उपस्थित लोगों को उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की विभिन्न योजनाओं, श्रमिक पंजीकरण प्रक्रिया तथा आवेदन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना तथा संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना का लाभ श्रमिकों को प्रदान किया जाता है।उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए श्रम कार्ड (बीओसीडब्ल्यू) होना आवश्यक है। श्रमिक 90 दिन के निर्माण कार्य का प्रमाण प्रस्तुत कर तथा 40 रुपये अंशदान जमा कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।कार्यक्रम में श्रम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा विकास खंड स्तर के अधिकारी भी मौजूद रहे।

पल्स पोलियो अभियान की तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स नियमित टीकाकरण कार्यक्रम एवं आगामी पल्स पोलियो अभियान (28 जून 2026) की तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा अभियान की तैयारियों, माइक्रोप्लान, प्रशिक्षण, निगरानी एवं नियमित टीकाकरण की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। बैठक में डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधियों द्वारा गत चरण की उपलब्धियों एवं कमियों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि दिसम्बर–2025 चरण में चिन्हित कमियों का प्रभावी निराकरण करते हुए पल्स पोलियो अभियान जून–2026 की सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूर्ण की जाएं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने यू–विन पोर्टल पर प्रदर्शित एंटीजनवार ओवरड्यू बच्चों का शत–प्रतिशत टीकाकरण एवं डाटा अपलोड एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र बच्चे तक टीकाकरण सेवाएं पहुंचाकर जनपद में शत–प्रतिशत प्रतिरक्षण का लक्ष्य प्राप्त किया जाए। इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी रमेश कुमार मिश्रा, डॉ0 गिरधारी लाल, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

पत्नी को बचाने पहुंची मां की बेटे ने ली जान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। कठेला समय माता थाना क्षेत्र के विशुनपुर खुर्द गांव में रविवार रात घरेलू विवाद ने दर्दनाक रूप ले लिया। शराब के नशे में पत्नी से मारपीट कर रहे युवक ने बीच–बचाव करने पहुंची अपनी मां को जमीन पर पटक दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।मृतका कैलाशी देवी (60) के पति छोट्टन गिरी की तहरीर के अनुसार, उनका सबसे छोटा बेटा सुनील गिरी नशे की हालत में अपनी पत्नी रूपा के साथ मारपीट कर रहा था। शोर सुनकर कैलाशी देवी मौके पर पहुंचीं और विवाद शांत कराने का प्रयास किया। आरोप है कि इससे नाराज सुनील ने मां के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें घसीटकर जमीन पर पटक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।परिजनों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन करीब एक घंटे बाद उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।सूचना पर पहुंची कठेला समय माता पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतका के पति की तहरीर पर आरोपी सुनील गिरी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।ग्रामीणों के अनुसार, सुनील अक्सर शराब के नशे में पत्नी से मारपीट करता था, जिससे परिवार में आए दिन विवाद होता रहता था। प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरतारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है और मामले की जांच की जा रही है।

मछली मंडी हादसे के बाद पीड़ित परिवार के साथ खड़े हुए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। विकासखंड बढ़नी क्षेत्र के मधवापुर स्थित निर्माणाधीन मछली मंडी में गेट गिरने से हुई मजदूर की मौत के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक और आक्रोश का माहौल है। रविवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय एवं शोहरतगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी उग्रसेन सिंह ने मृतक के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।गौरतलब है कि बीते दिनों मधवापुर मछली मंडी में निर्माणाधीन गेट की ढलाई के दौरान अचानक संरचना भरभराकर गिर गई थी। हादसे में मलबे के नीचे दबने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य श्रमिक घायल हो गए थे। घटना के बाद क्षेत्र में

निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और पूर्व प्रत्याशी उग्रसेन सिंह ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि एक गरीब मजदूर की इस प्रकार असमय मृत्यु अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि यदि निर्माण कार्य में लापरवाही बरती गई है तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।नेताओं ने जिला प्रशासन से मांग की कि मृतक के आश्रितों को शीघ्र उचित आर्थिक सहायता एवं सरकारी मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। साथ ही पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी ठेकेदारों एवं जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिन्हें रोकने के लिए जवाबदेही तय करना आवश्यक है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, इब्राहिम बाबा, जावेद जमील प्रधान, हरिनाथ यादव, सऊद, महबूब मास्टर, दानिश सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने मृतक परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना है कि हादसे की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य एवं दिव्य स्वरूप में मनाने की तैयारियां तेज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के सफल आयोजन एवं योग सप्ताह कार्यक्रमों की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद स्तर पर 15 जून से 21 जून 2026 तक आयोजित होने वाले योग सप्ताह कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि योग दिवस एवं योग सप्ताह के समस्त कार्यक्रमों का आयोजन व्यापक जनभागीदारी के साथ भव्य एवं दिव्य स्वरूप में किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आवश्यक तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। योग सप्ताह का शुभारम्भ 15 जून को कलेक्ट्रेट परिसर से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त शिवाजी मिनी स्टेडियम, जिला कारागार, तहसीलों, विकास खण्डों, ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, पार्कों एवं नदी तटों पर सामूहिक योगाभ्यास, योग प्रतिज्ञा, प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर तथा विशेष योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि योग भारतीय संस्:ति की अमूल्य धरोहर है तथा इसके माध्यम से स्वस्थ एवं निरोग जीवन का संदेश जन–जन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, सहित आयुर्वेदिक एवं युनानी अधिकारी उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म

बस्ती। शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। मामला रुधौली क्षेत्र के एक गांव का है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर और अदालत के आदेश पर केस दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी में जुट गई है। पीड़िता ने अपनी तहरीर में बताया कि आरोपितमेहताब आलम पुत्र बरकत उर्फ बरकतुल्लाह निवासी बेलवा सेंगर, थाना बेलहर कला जनपद संतकबीरनगर ने पहले शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया, जब शादी करने का उस दबाव बनाया तो वह और उसका भाई बरकततुल्लाह उर्फ बरकतगाली–गलौज कर मारपीट करने लगे। एसएचओ ने बताया कि दर्ज केस के आधार पर आरोपित की तलाश शुरू कर दी गई है।

नई दिल्ली में नागेंद्रनाथ त्रिपाठी से मिले भाजपा नेता श्याम जायसवाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़।भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पहुंचकर वरिष्ठ भाजपा नेता नागेंद्रनाथ त्रिपाठी से शिष्टाचार भेंट की। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी द्वारा नागेंद्रनाथ त्रिपाठी को राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाने पर उन्होंने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। इस दौरान श्याम जायसवाल ने नागेंद्रनाथ त्रिपाठी का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए संगठन के प्रति उनके लंबे अनुभव,

समर्पण और नेतृत्व क्षमता की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊर्जा और सशक्त दिशा प्राप्त होगी तथा पार्टी और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। भेंट के दौरान विधानसभा क्षेत्र 302 शोहरतगढ़ के विभिन्न विकासात्मक, संगठनात्मक एवं जनसरोकार से जुड़े विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। श्याम जायसवाल ने क्षेत्र की वर्तमान परिस्थितियों, जन अपेक्षाओं तथा विकास कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को उनके समक्ष रखा।नागेंद्रनाथ त्रिपाठी ने भी संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर बल देते हुए क्षेत्र के विकास तथा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने का आश्वासन दिया। भाजपा नेताओं की इस मुलाकात को संगठनात्मक .ष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक: श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

आशीष गांधी अभिनीत फिल्म डैनी फर्स्ट लुक पोस्टर जारी, फिल्म 26 जून को रिलीज

यह तो सर्वविदित है कि किसी फिल्म के प्रचार में पोस्टर की अहम भूमिका होती है। ऐसा ही एक पोस्टर आजकल खूब चर्चा

में है। निर्देशक कल्याण जी गोगना नाटकम, तीस मार खान और मारियो जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। हाल ही में फिल्म डैनी से निर्देशक के रूप में डेब्यू कर रहे कल्याण जी गोगना की फिल्म आ रही है। आशीष गांधी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक धूम मचा रहा है और हर तरफ इसकी ही चर्चा हो रही है। फिल्म में हीरो फटेहाल कपड़ों में नजर आ रहा है, एक तरफ उसके गले में फूलों की माला है, वहीं दूसरी तरफ लड़की अपने पैरों की उंगलियों से सिगरेट जलाकर पीती हुई दिखाई दे रही है। इसमें कोई शक नहीं कि वेलकम टू लव जंगल टैगलाइन वाली इस फिल्म का यह नया लुक फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता बढ़ाएगा और जबरदस्त क्रेज पैदा करेगा। फिल्म डैनी को गोपाल कृष्ण प्रस्तुत कर रहे हैं और इसका निर्माण रिजवान और खुशी मिलकर रिजवान एंटरटेनमेंट और कल्याण जी गोगना पिक्चर्स के बैनर तले कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है। फिल्म 26 जून को रिलीज होने वाली है। राकेंदु मौली ने न सिर्फ गाने लिखे हैं बल्कि संगीत भी दिया है।

विश्वंभर की रिलीज डेट को लेकर उत्साह. ..10 जुलाई को रिलीज करने की योजना

इस संक्रांति पर मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म माना शंकरवर प्रसाद गारू बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और उनके प्रशंसकों में उत्सव का माहौल छा गया। सिनेमाघरों में दर्शकों की उत्साह और कमाई ने एक बार फिर चिरंजीवी की लोकप्रियता को साबित कर दिया। इस हिट फिल्म से मिली प्रेरणा के चलते मेगास्टार की अगली फिल्म विश्वंबरा से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। बिम्बिसारा से अपनी अलग पहचान बनाने वाले निर्देशक वशिष्ठ मल्लिदी द्वारा निर्देशित विश्वंबरा एक सामाजिक–काल्पनिक थ्रिलर फिल्म है। घोषणा के दिन से ही इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी चर्चा है। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट स्पष्ट नहीं है, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता और बढ़ गई है। अब तक विश्वंभरा को समर स्पेशल के तौर पर रिलीज करने का अभियान चल रहा था। लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार, फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा है कि यह फिल्म समर रिलीज की दौड़ से बाहर हो गई है। बताया जा रहा है कि निर्माताओं को लगता है कि माना शंकरवर प्रसाद गारू की रिलीज के तुरंत बाद दूसरी फिल्म लाने से बेहतर है कि कुछ समय का अंतराल रखा जाए। इसीलिए वे फिल्म को समर के बाद 10 जुलाई को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रिलीज में देरी के कारणों पर भी दिलचस्प चर्चा हो रही है। हालांकि रिलीज हो चुके टीजर में काल्पनिक दुनिया दिखाई गई है, लेकिन वीएफएक्स की गुणवत्ता पर कुछ आलोचना हुई है। ऐसा लगता है कि निर्माताओं ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है और पोस्ट–प्रोडक्शन के काम के लिए अतिरिक्त समय दे रहे हैं। खबरों के मुताबिक, शीर्ष वीएफएक्स स्टूडियो के सहयोग से फिल्म पर तेजी से काम चल रहा है। दर्शकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का दृश्य अनुभव देने के उद्देश्य से हर फ्रेम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि फाइनल कॉपी तैयार होने के बाद ही रिलीज की तारीख पर अंतिम फैसला लिया जाएगा, जब चिरंजीवी खुद इसे देखेंगे और संतुष्ट होंगे। इसीलिए लगता है कि निर्माता कोई भी जल्दबाजी वाला फैसला नहीं ले रहे हैं। एक और अच्छी बात यह है कि इस फिल्म में तृषा चिरंजीवी के साथ मुख्य भूमिका में हैं। दोनों की जोड़ी वाली फिल्म स्टालिन को उस समय अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। साथ ही, ना समीरंगा फेम आशिका रंगनाथ भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी। कुणाल कपूर खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि ईशा चावला, राम्या पसुपुलेटी, सुरभि और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। विक्रम, वामसी और प्रमोद यूवी क्रिएशन्स बैनर के तहत इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। ऑस्कर विजेता एमएम कीरावानी द्वारा संगीतबद्ध किए जाने से फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

डीजीपी कश्मीर में आईपीएस अफसर बनेंगी डेजी शाह, पर्दे पर दिखाएंगी कश्मीरी सुरक्षाकर्मियों की बहादुरी और बलिदान की गाथा

डेजी शाह अपनी नई फिल्म डीजीपी कश्मीर में एक आईपीएस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगी। सच्ची घटनाओं पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज भट्ट ने किया है। फिल्म

का मुख्य मकसद कश्मीर के सुरक्षाकर्मियों की बहादुरी और उनके बलिदान की कहानी को दुनिया के सामने लाना है। अपनी इस भूमिका को लेकर डेजी बताती हैं, इससे पहले मैंने पर्दे पर एक आम पुलिसकर्मी का रोल किया था, लेकिन ये पहली बार है जब मैं एक आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हूं। डेजी के लिए ये किरदार एक नई और बड़ी चुनौती है।

फिल्म कश्मीर के उन गुमनाम नायकों की कहानियों को सामने लाने पर केंद्रित है, जिन्हें डेजी भी बहुत पसंद करती हैं। अपने राष्ट्रीय स्तर की शूटर होने के अनुभव का इस्तेमाल वो फिल्म के एक्शन दृश्यों की तैयारी के लिए कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग जुलाई में शुरू होगी। निर्देशक भट्ट, जो खुद कश्मीर में पले–बढ़े हैं, चाहते हैं कि दर्शक इन सच्ची कहानियों की अंदरूनी ताकत को महसूस करें, वहीं डेजी को उम्मीद है कि उनका अभिनय इन कहानियों को सच्चाई और भरपूर सम्मान दिलाएगा।

वर्ल्डवाइड 200 करोड़ के पार हुई पेद्दी, बॉक्स ऑफिस पर तीसरे दिन राम चरण की फिल्म ने लगाई लंबी छलांग

राम चरण और जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म पेद्दी 4 जून को रिलीज हुई. यह इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक रही है. फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है. इसी वजह से फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों तक पहुंच रहे हैं. फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 3 दिन हो चुके हैं और इन तीनों में यह 250 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है.

राम चरण की फिल्म पेद्दी सिनेमाघरों में आने के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है. हिंदी भाषी इलाकों में फिल्म को औसत रिस्पॉन्स मिला, जबकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इसने बेहतर प्रदर्शन किया. वहीं, वीकेंड पर दर्शकों की अच्छी संख्या और लोगों की दिलचस्पी का फायदा उठाते हुए, पेद्दी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर आधिकारिक तौर पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है.

पेद्दी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है. घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ–साथ फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की है. तीन दिनों में फिल्म जहां घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 150 के करीब है, वहीं, दुनियाभर में इसने 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. मेकर्स ने रविवार को पेद्दी का लेटेस्ट वर्ल्डवाइड कलेक्शन सोशल मीडिया पर साझा किया है. मेकर्स के मुताबिक, पेद्दी ने तीन दिनों में दुनियाभर में 236.7 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है. उम्मीद है कि रविवार छुट्टी होने की वजह से फिल्म 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लेगी.

घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो भारत में पेद्दी ने 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है. रिलीज के पहले दिन फिल्म ने शानदार ओपनिंग की थी. सैकनिल्क के मुताबिक, ओपनिंग डे पर फिल्म ने 51 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. वहीं, पेड प्रीव्यू से इसने 18.50 करोड़ रुपये कमाए थे.

दूसरे दिन फिल्म की कमाई में गिरावट दर्ज की गई. पहले दिन जहां फिल्म ने 51 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं दूसरे दिन यानी शुक्रवार को 26.90 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. अब तीसरे दिन की बात करें तो फिल्म शनिवार, 6 जून को पेद्दी ने 28.85 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. इस तरह पेद्दी ने 3 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 125.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है.

ग्रामीण आंध्र प्रदेश पर आधारित पेद्दी में राम चरण अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं. उनका किरदार खेल के जरिए अपनी और अपने समुदाय की पहचान बनाने की कोशिश करता है. इस फिल्म की कहानी में क्रिकेट, कुश्ती और स्प्रिंटिंग (दौड़) अहम भूमिका निभाते हैं. बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म को वेंकटा सतीश किलारू ने वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. इसमें जाह्नवी कपूर, शिवा राजकुमार और जगपति बाबू अहम भूमिकाओं में हैं.

वर्केशन पर जा रहे हैं? काम और मस्ती के बीच संतुलन बनाए रखने के 5 तरीके

वर्केशन एक ऐसा चलन है, जो काम और आराम को एक साथ मिलाता है। इसमें आप अपने ऑफिस के काम को किसी खूबसूरत जगह पर जाकर भी कर सकते हैं। यह न केवल आपके काम को आसान बनाता है, बल्कि आपको नए अनुभव और यादें भी देता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने वर्केशन को और भी मजेदार बना सकते हैं और काम के साथ–साथ आराम का भी आनंद ले सकते हैं।

योजना बनाएं: वर्केशन की शुरुआत अच्छी योजना बनाकर करें। पहले से तय करें कि कब और कहां जाना है और वहां कितने दिन रुकना है। इसके अलावा यह भी तय करें कि किन दिनों आपको काम करना है और किन दिनों को घूमने–फिरने के लिए रखना है। इससे आपको यह पता रहेगा कि कब काम करना है और कब आराम करना है, जिससे आपका वर्केशन संतुलित रहेगा और आप दोनों का आनंद ले सकेंगे।

समय प्रबंधन करें: काम और आराम के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए समय प्रबंधन बहुत जरूरी है। सुबह जल्दी उठकर पहले काम करें और फिर बाकी समय घूमने–फिरने या अन्य गतिविधियों के लिए रखें। इस तरह आप अपने काम को भी पूरा कर पाएंगे और साथ ही आपको घूमने का भी समय मिलेगा। इसके अलावा आप अपने काम के समय को छोटे–छोटे हिस्सों में बांटकर उसे पूरा करें, ताकि आप बिना किसी तनाव के अपने वर्केशन का आनंद ले सकें।

तकनीक का उपयोग करें

वर्केशन के दौरान तकनीक का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। अपने कंप्यूटर या मोबाइल फोन का उपयोग करें, ताकि आप ऑफिस के काम को आसानी से कर सकें। इसके अलावा अगर आप किसी ऐसी जगह पर हैं, जहां इंटरनेट की समस्या हो सकती है तो पहले से ही सभी जरूरी कागजात डाउनलोड कर लें, ताकि आपको कोई दिक्कत न हो। इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने वर्केशन का आनंद ले सकते हैं।

स्थानीय संस्कृति को जानें: अपने वर्केशन के दौरान स्थानीय संस्कृति को जानने के लिए समय जरूर निकालें। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आपको नए–नए अनुभव भी मिलेंगे। आप स्थानीय बाजार जा सकते हैं, वहां के खाने का स्वाद ले सकते हैं या किसी स्थानीय कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इससे आपका वर्केशन और भी यादगार बनेगा और आपको वहां की संस्कृति का गहरा अनुभव मिलेगा, जिससे आप नई यादें भी बना सकेंगे।

दोस्तों या परिवार के साथ जाएं: वर्केशन अकेले करने के बजाय दोस्तों या परिवार के साथ करें। इससे आपका समय जल्दी बीतेगा और आपको ज्यादा मजा आएगा। साथ ही आप अपने करीबियों के साथ समय बिताकर उनकी कंपनी का आनंद ले सकेंगे। इस तरह आपका वर्केशन न केवल कामकाजी रहेगा, बल्कि दोस्तों और परिवार संग बिताए समय से भरपूर भी होगा। उनसे आप कुछ कामों में मदद भी ले सकते हैं, ताकि काम जल्दी खत्म हो सके।